RNI NO: UPHIN/2023/89251

वर्ष : 02
अंक : 324
शनिवार 31 अक्टूबर 2026
मूल्य : 02 रूपये
पृष्ठ : 08
कुशीनगर से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इंडिपेंडेंट भारत



पेज-2 प्रयागराज के शंकरगढ़ में तालाबों पर.....
पेज-3 डीएम की अध्यक्षता में उद्योग बंधु....
पेज-4 जारी क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था ध्वस्त, जिम्मेदार....

संक्षिप्त समाचार

रूसी ड्रोन ने ट्रेन को बनाया निशाना, यूक्रेन में 13 की मौत

कीव। यूक्रेन के निप्रो शहर में गुरुवार सुबह रूसी ड्रोन ने रेलवे स्टेशन पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हुए हैं। शहर के मेयर बोरिस फिलातोव ने बताया कि ड्रोन ने यात्रियों को ले जा रही इलेक्ट्रिक ट्रेन को निशाना बनाया। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले को भयावह बताते हुए रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की। यूक्रेन के अनुसार, रूस ने 2026 के पहले आठ महीनों में उसके रेलवे नेटवर्क पर 1,600 से अधिक हमले किए। विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा के मुताबिक, 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से 500 से ज्यादा रेल इंजन क्षतिग्रस्त या नष्ट हो चुके हैं।

यूपी-छत्तीसगढ़ में अलर्ट ओडिशा के 300 गांव डूबे

जयपुर/लखनऊ। चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर पड़ने के बावजूद देश के कई राज्यों में आफत बरसा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार समेत 15 राज्यों में बारिश का दौर जारी है। अगले दो दिन तक वर्षा होने की संभावना है। तेज बारिश की आशंका को देखते हुए छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में गुरुवार को स्कूल बंद रखे गए। ओडिशा में भी 16 जिलों के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। तूफान का सबसे भीषण असर ओडिशा और आंध्र प्रदेश में देखने को मिला है। दोनों राज्यों में करीब छह लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में चार दिन से लगातार बारिश के कारण करीब 300 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में लगभग 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा एवं प्रदीप वर्मा करेंगे मंथन

उत्तर प्रदेश कार्यसमिति बैठक में बनेगी 2027 की रणनीति, शाह करेंगे शुभारंभ

लखनऊ

भाजपा की बहुप्रतीक्षित प्रदेश कार्यसमिति बैठक शुक्रवार को लखनपुर में होगी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह इस अहम बैठक के उद्घाटन सत्र में मार्गदर्शन करेंगे। इस संबंध में भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक गुरुवार को राज्य मुख्यालय पर हुई। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, सह प्रभारी मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा, प्रदीप वर्मा की मौजूदगी में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के एजेंडे, प्रमुख विषयों एवं अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तृत चर्चा करके उन्हें अंतिम रूप दिया गया। प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा एवं प्रदीप वर्मा मिलकर मंथन करेंगे और 2027 के लिए विशेष रणनीति बनाएंगे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि हमें जहां कम वहां हम के आधार पर काम करते हुए कार्यसमिति बैठक को हर दृष्टि से व्यवस्थित बनाना है। पंजीकरण, भोजन, यातायात, सज्जा सहित सभी व्यवस्थाओं में प्रत्येक कार्य के लिए जिम्मेदारी तय करते हुए काम करना है। बैठक में राजनैतिक प्रस्ताव से भाजपा संगठनात्मक कार्यों, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, ऐतिहासिक निर्णयों के साथ सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के कार्यों को प्रस्तुत करेगी और एजेंडा घोषित करेगी। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि कार्यसमिति बैठक संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करने एवं कार्ययोजना को प्रभावी ढ़ग से आगे बढाने का महात्वपूर्ण मंच है। कार्यसमिति के सुव्यवस्थित आयोजन, निर्धारित कार्यक्रमों के संचालन, पदाधिकारियों की सहभागिता तथा बैठक में प्रस्तुत किए जाने वाले विषयों को लेकर पूर्व तैयारी और पूर्ण तैयारी के मंत्र के साथ काम करना है। उन्होंने कहा कि बैठक ऐतिहासिक, संदेशपरक, अनुशासित एवं व्यवस्थित हो। माइक्रो मैनेजमेंट बनाकर टीम वर्क से काम होगा। प्रदेश कार्यसमिति बैठक का संदेश पूरे प्रदेश में जाना चाहिए।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के होगा समापन उद्बोधन

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को लखनऊ स्थित डॉ.राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में होगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अध्यक्षता में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह करेंगे। समापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन से होगा। बैठक में प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश सह-प्रभारी जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा, प्रदीप वर्मा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

बैठक में शामिल होंगे कई स्तरों के पदाधिकारी

प्रदेश कार्यसमिति बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य, स्थायी आमंत्रित सदस्य, लोकसभा-राज्यसभा सांसद, लोकसभा प्रत्याशी-2024, विधायक, एमएलसी, विधानसभा प्रत्याशी-2022, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय महामंत्री, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका/नगर पंचायत अध्यक्ष, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय महामंत्री, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री, अनुशासन समिति, प्रदेश मीडिया संयोजक/सह संयोजक, प्रवक्ता, मीडिया पैनेलिस्ट, प्रदेश संयोजक/सह-संयोजक सोशल मीडिया, मुख्यालय प्रभारी/सह प्रभारी, प्रदेश संयोजक/सह-संयोजक सोशल मीडिया विभाग, डीसीबी चेयरमैन, विधानसभा प्रभारी, विधानसभा विस्तारकों सहित अन्य प्रमुख पार्टी पदाधिकारी सम्मिलित होंगे।

भाजपा मुख्यालय में नितिन नवीन ने की राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक

संगठनात्मक गतिविधियों व पार्टी की आगामी रणनीति पर मंथन के संकेत

- 1 नवंबर को होने वाली कांग्रेस की रैली पर भी हुई चर्चा !

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में समय समय पर होने वाली पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय के 6ए परिसर में आयोजित हुई। बैठक में पार्टी के सभी राष्ट्रीय महासचिव शामिल हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में हुई इस बैठक को संगठनात्मक दृष्टि से इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि 1 दिसंबर को कॉंग्रेस एक बार फिर इलेक्शन कमीशन ज्ञानेश कुमार के ख़िलाफ़ महरल्ली निकलने जा रही गई जिसे कॉक्रोच पार्टी का भी समर्थन मिला हुआ है । बता दें राष्ट्रीय महासचिव पार्टी के केंद्रीय संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और पार्टी के काउंटर नेरेटिव की रणनीति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं । संगठन के विभिन्न क्षेत्रों में चल रही गतिविधियों, राज्यों में पार्टी की तैयारियों और केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने में उनकी अहम जिम्मेदारी होती है। हालांकि बैठक के एजेंडे और इसमें हुई चर्चा के विस्तृत ब्योरे की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष और महासचिवों की इस तरह की बैठकों में संगठन की कार्यप्रणाली, विभिन्न राज्यों में पार्टी की गतिविधियों, जनसंपर्क कार्यक्रमों और आगामी राजनीतिक चुनौतियों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाता है।



सीबीआई ने 210 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले दर्ज की एफआईआर

निदेशकों के ठिकानों पर छापेमारी कर दस्तावेज व लेजर जब्त किये

लखनऊ

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चंद्रा प्रोटेको लिमिटेड और इसके तीन निदेशकों के खिलाफ करीब 210.13 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया है। भारतीय बैंक की शिकायत पर दर्ज इस मामले में सीबीआई ने प्रयागराज में कंपनी के निदेशकों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज और लेजर जब्त किए हैं। सीबीआई के मुताबिक, कंपनी ने भारतीय बैंक के नेतृत्व वाले छह बैंकों के समूह से 541.46 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट, टर्म लोन और लेटर ऑफ क्रेडिट की सुविधाएं ली थीं। आरोप है कि कंपनी ने बैंक से मिले धन का निर्धारित उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं किया और सहयोगी कंपनियों के माध्यम से रकम दूसरी जगह हस्तांतरित कर दी। गैर-संघ बैंक खातों के संचालन और समान निदेशकों वाली कंपनियों के जरिये लेटर ऑफ क्रेडिट के भुगतान संबंधी अनियमितताओं का भी आरोप है।

बैंक की चूक से साइबर ठगी तो भरें हर्जाना

- डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, 2026 में 22 हजार से ज्यादा मामले

नई दिल्ली

डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत बताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने गुरुवार को कहा कि यदि बैंक की लापरवाही से साइबर ठगी होती है तो पीड़ित को मुआवजा मिलना चाहिए और जिम्मेदार पाए जाने पर संबंधित बैंक के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फिलहाल प्रस्ताव है, अंतिम आदेश नहीं। अदालत ने सवाल उठाया कि लगातार जागरूकता अभियान चलने और ठगी की घटनाएं सामने आने के बावजूद शिक्षित लोग भी साइबर अपराधियों के जाल में कैसे फंस रहे हैं। देश में 2026 के दौरान डिजिटल अरेस्ट के 22 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए और 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी हुई। वर्ष 2025 में ऐसे 58,239 मामले सामने आए थे, जिनमें करीब 1,211 करोड़ रुपये गंवाए गए।



संदिग्ध लेन-देन पर बैंक क्यों नहीं रोकते खाते?

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि ठगी होने के बाद रिपोर्ट तैयार करना पर्याप्त नहीं है। अपराध रोकने के लिए पहले से प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। बैंक खातों में असामान्य लेन-देन होने पर सत्यापन के लिए उसे अस्थायी रूप से रोकने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना स्थानीय पुलिस को देने की व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से प्रस्तावित केवाईसी संशोधन निर्देश, 2026 की समीक्षा करने और अधिकृत वित्तीय संस्थानों की सूची पेश करने को कहा। अदालत ने यह भी सुझाव दिया कि जरूरी सावधानी बरतने में विफल रहने वाले वित्तीय संस्थानों के मामलों में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान होना चाहिए।

संभावित परीक्षण केंद्रों का निरीक्षण करने भारत पहुंची जापानी विशेषज्ञों की टीम

भारत में लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन्स का परीक्षण करेगा जापान



नई दिल्ली

जापान अपनी लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और छोटे हमलावर ड्रोन के परीक्षण के लिए भारत के मिसाइल परीक्षण क्षेत्रों के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाश रहा है। जापान की थल आत्मरक्षा बल के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने बताया कि इस उद्देश्य से अधिकारियों की एक टीम भारत भेजी गई है। टीम ने देश में कई संभावित स्थानों का निरीक्षण किया है। इस पहल का संबंध जापान की समुद्री सुरक्षा और तटीय रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की योजना से है। रिपोर्ट के अनुसार, थल आत्मरक्षा बल के प्रमुख जनरल मासायोशी अराई ने बताया कि अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि टाइप-25 पोतरोधी मिसाइल की लगभग 1,000 किलोमीटर की मारक क्षमता का पूरा इस्तेमाल करते हुए प्रशिक्षण और परीक्षण कैसे किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जापान अपने देश में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ जरूरत पड़ने पर विदेशों में मौजूद परीक्षण क्षेत्रों के उपयोग पर भी विचार कर रहा है।

भारत में संभावित परीक्षण स्थलों का निरीक्षण: जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के मुताबिक, अधिकारियों को इसी महीने की शुरुआत में भारत भेजा गया था। उन्होंने लगभग एक सप्ताह के दौरान देश में कई स्थानों का निरीक्षण किया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जापान ने किसी खास परीक्षण स्थल को अंतिम रूप दिया है या नहीं।

भारत-जापान रक्षा साझेदारी को मिल सकता है नया आयाम

भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी है। दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, आर्थिक संबंधों और तकनीकी विकास पर मिलकर काम करते हैं। जुलाई में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने भारत की अपनी पहली यात्रा के दौरान नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। बैठक में आर्थिक सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने, रक्षा विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई थी। यदि जापान भारत के परीक्षण क्षेत्रों का उपयोग करने का निर्णय लेता है, तो इससे दोनों देशों के रक्षा सहयोग को एक नया आयाम मिल सकता है।

जापान की बहुस्तरीय तटीय रक्षा योजना

जापान अपनी तटीय रक्षा के लिए एक बहुस्तरीय सुरक्षा नेटवर्क विकसित करने की योजना बना रहा है। इसमें बड़ी संख्या में कम लागत वाले मानवरहित हवाई वाहन, समुद्र की सतह पर चलने वाले स्वचालित वाहन और पानी के भीतर संचालित होने वाली मानवरहित प्रणालियां शामिल होंगी। इनका उपयोग निगरानी और जरूरत पड़ने पर हमले में किया जा सकता है। ऐसी मिसाइलें भी तैनात करने की योजना है, जो दूर से प्रहार कर सकें। लंबी दूरी की मिसाइल और मानवरहित प्रणालियां भविष्य की रणनीति का अहम हिस्सा बन रही हैं।

यूपी के 2.24 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में आएगी 'सम्मान निधि'

प्रधानमंत्री आज गुजरात के बनासकांठा से जारी करेंगे पीएम किसान सम्मान निधि

लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के बनासकांठा से शुक्रवार को किसानों के खाते में प्रधानमंत्री सम्मान निधि की 24वीं किस्त भेजेंगे। पीएम के एक क्लिक करते ही देश के 9.34 करोड़ किसानों के बैंक खाते में 18,680 से अधिक की राशि का हस्तांतरण होगा। वहीं, यूपी के 2.24 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इनके खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे 4482.19 करोड़ रुपये भेजे जाएंगे। यूपी के किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के (23वीं किस्त तक) 1,03,461.76 करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं। शुक्रवार को जारी होने वाली पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त से यूपी के 2.24 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। इन किसानों के खाते में 4482.19 करोड़ की धनराशि आएगी। योजना की धनराशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में हस्तांतरित की जाती है। इसमें पात्र किसान परिवार के एक सदस्य को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता वर्ष में तीन किस्त में प्रदान किए जाने की व्यवस्था है। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2026 में पश्चिम बंगाल से सम्मान निधि का लाभ किसानों को दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी में 24 फरवरी 2019 को गोरखपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी। शुक्रवार को 4482.19 करोड़ जारी होने के बाद यह राशि 107,943.95 करोड़ रुपये हो जाएगी।

महिलाओं पर टिप्पणी से भड़की संसद, सांसदों में मारपीट

येरेवन। आर्मेनिया की संसद में गुरुवार को महिलाओं पर विवादित टिप्पणी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच जमकर मारपीट हुई। विवाद तब शुरू हुआ, जब सत्तारूढ़ दल के सांसद तारोन चखोयान ने विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन से माफी मांगने को कहा। उन्होंने कारापेटयन के परिवार पर भी टिप्पणी की थी। इससे नाराज विपक्षी सांसद स्पीकर के आसन की ओर बढ़े। देखते ही देखते बहस हाथापाई में बदल गई। इस दौरान एक सांसद को जमीन पर गिरा दिया गया।

ऊर्जा मंत्री बोले, दीपावली पर अनावश्यक शटडाउन और बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं

दीपावली व छठ पर सभी उपभोक्ताओं को मिलेगी 24 घंटे बिजली

- बकाया वसूली के नाम पर त्योहारों में कनेक्शन काटकर उपभोक्ताओं को परेशान न किया जाए

लखनऊ

दीपावली, छठ और अन्य त्योहारों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारी योगी सरकार ने तेज कर दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत अधिकारियों को त्योहारों के दौरान 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दीपावली प्रकाश का पर्व है, इसलिए अनावश्यक शटडाउन और बार-बार बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव ऊर्जा रणवीर प्रसाद, यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक नीतीश कुमार, एमडी मयूर माहेश्वरी सहित विद्युत विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एके शर्मा ने कहा कि त्योहार के समय बकाया वसूली के नाम पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन न काटे जाएं। बड़े और संगठित बिजली चोरों को चिन्हित कर उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए तथा छोटे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशान न किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने झटपट पोर्टल पर विद्युत कनेक्शन को लेकर अधिकारियों को लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने तथा निरस्त किए गए आवेदनों की समीक्षा कर व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्देश दिए कि नियमित बिजली बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं को बकायेदारों के कारण ट्रिपिंग और बिजली कटौती की समस्या न झेलनी पड़े। जहां जरूरत हो, वहां ट्रांसफार्मरों का क्षमता विस्तार तत्काल किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने नवंबर के बिजली बिलों में 9.70 प्रतिशत राहत पर उपभोक्ताओं को बधाई दी। इससे घरेलू, व्यावसायिक सहित अन्य श्रेणियों को लगातार पांचवें महीने सीधा लाभ मिलेगा।



नगर पंचायतों में भी मिलेगी बेहतर बिजली आपूर्ति

नवसृजित नगर पंचायतों की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों में मुख्यालयों की तर्ज पर निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने को नगर विकास विभाग तैयार है, इसलिए विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तेजी से काम किया जाए।

अरब दलों के हाथ चाबी, नेतन्याहू के साथ जाने से मना कर चुके हैं आइजेनकोट

इजरायल में बहुमत से दूर नेतन्याहू, सत्ता बचाने के लिए अब प्रतिद्वंद्वी आइजेनकोट से गठबंधन

येरुशलम

इजरायल में 2026 के संसदीय चुनावों के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सामने सत्ता बरकरार रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। दक्षिणपंथी दलों के उनके गठबंधन को संसद में बहुमत के लिए जरूरी सीटें नहीं मिली हैं। ऐसे में नेतन्याहू के सहयोगी विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट के साथ राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की संभावना तलाश रहे हैं। इस विकल्प पर चर्चा हो रही है, हालांकि आइजेनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने से इनकार कर चुके हैं। इजरायल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। उपलब्ध चुनावी अनुमानों के अनुसार, नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिलने की संभावना है। आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिल सकती हैं। अरब दलों के खाते में 19 सीटें जाने का अनुमान है। ऐसे में सरकार गठन की बातचीत में अरब दलों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। प्रस्तावित सरकार में नेतन्याहू और आइजेनकोट के साथ अति-दक्षिणपंथी नेता इतामार बेन-ग्विर और बेजलेल स्मोट्रिच भी शामिल हो सकते हैं।

नेतन्याहू-आइजेनकोट के पास सत्ता साझा करने का विकल्प

नेतन्याहू के करीबी सहयोगी ऐसी सरकार बनाने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं, जिसमें आइजेनकोट भी शामिल हों। इसके लिए दो विकल्पों पर चर्चा हो रही है। पहले विकल्प के तहत नेतन्याहू लगभग दो वर्ष तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे और कार्यकाल के दूसरे हिस्से में आइजेनकोट यह पद संभाल सकते हैं। दूसरे विकल्प में नेतन्याहू प्रधानमंत्री पद अपने पास रख सकते हैं और आइजेनकोट को सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया जा सकता है। आइजेनकोट ने अब तक इन प्रस्तावों पर सहमति का संकेत नहीं दिया है।

ईरान से शांति वार्ता बहाल करने की पहल, जेडी वेंस ने अधिकारी को भेजा पत्र

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता दोबारा शुरू करने के प्रयासों के तहत अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मोहसेन रेजाई को पत्र भेजा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य दोनों देशों के बीच बातचीत का रास्ता फिर से खोलना है। रेजाई ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव हैं और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के पूर्व कमांडर रह चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार शाम पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने वेंस को ईरान से संपर्क करने की मंजूरी दी थी। ट्रंप ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि ईरान को चिकित्सा आपूर्ति और विभिन्न अन्य चीजों के लिए मदद की जरूरत है।

प्रयागराज के शंकरगढ़ में तालाबों पर माफियाओं का कब्जा, सरकारी जमीन पर धड़ल्ले से चल रहे वाशिंग प्लांट - प्रशासन मौन

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज/शंकरगढ़। प्रयागराज की यमुनानगर तहसील बारा के शंकरगढ़ क्षेत्र में सरकारी तालाबों और जमीनों पर अवैध कब्जे का बड़ा मामला उजागर हुआ है। शिवराजपुर और बड़गड़ी गांव में राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाबों पर कब्जा कर सिलिका सैंड वाशिंग प्लांट संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन राजस्व विभाग सिर्फ आश्वासन दे रहा है। कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।जानकारी के अनुसार ग्राम सभा शिवराजपुर में तालाब गाटा संख्या 80/1 में 6.0150 हेक्टेयर और गाटा संख्या 80/2 में 1.2550 हेक्टेयर के रूप में दर्ज है। आरोप है कि इस तालाब के लगभग आधे हिस्से पर कब्जा कर प्लांट संचालित किया जा रहा है। ग्राम प्रधान ने इसकी लिखित शिकायत अधिकारियों से की है। भारतीय किसान यूनियन की शिकायत पर तहसीलदार बारा ने मौके का निरीक्षण भी किया था, लेकिन उसके बाद फाइल ठंडे बस्ते में चली गई। ग्रामीण पूछ रहे हैं कि क्या कोई बड़ा सिंडीकेट इस पूरे खेल को संरक्षण दे रहा है?वहीं बड़गड़ी गांव में भी यही कहानी है। आरोप है कि एक संचालक ने 10 बिस्वा जमीन खरीदने के बाद उसकी आड़ में तालाब की बड़ी भूमि पर कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर वह अपनी ढाई बीघा निजी जमीन का हवाला देता है।प्रधान प्रतिनिधि प्रभाकर सिंह उर्फ पिंटू सिंह ने बताया कि कई जगह तालाबों को पाटकर कारोबार हो रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि पूरे क्षेत्र की निष्पक्ष पैमाइश कराई जाए, अतिक्रमण हटाया जाए और सरकारी संपत्ति को कब्जामुक्त कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रयागराज में PET-2026 परीक्षा को लेकर डीएम सख्त, केंद्रों का किया औचक निरीक्षण - नकलविहीन परीक्षा के दिए निर्देश

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा PET-2026 को निष्पक्ष और नकलविहीन तरीके से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने कर्नलगंज इंटरमीडिएट कॉलेज, डीपी गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज सहित कई विद्यालयों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश और विद्युत आपूर्ति जैसी व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा।डीएम ने प्रधानाचार्यों से परीक्षार्थियों की उपस्थिति की जानकारी ली और परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों और संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष और शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना प्राथमिकता है। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि परीक्षा अवधि के दौरान अपने सेक्टर के परीक्षा केंद्रों पर लगातार भ्रमणशील रहें और परीक्षा समाप्ति के बाद परीक्षा सामग्री को सुरक्षित जमा कराएं। स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को भी आयोग के निदेर्शों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरों के माध्यम से हो रही मॉनिटरिंग देखी और तैनात कार्मिकों को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए।

मौसम बदलते ही बढ़ा सर्दी-जुकाम और वायरल का प्रकोप, शंकरगढ़ के डॉक्टरों ने बताया बचाव का मंत्र



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

शंकरगढ़,प्रयागराज। दिन में हल्की धूप, सुबह-शाम ठंडक और कभी-कभी बारिश की बूंदों वाला यह सुहावना मौसम अपने साथ बीमारियां भी लेकर आया है। बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी और वायरल फीवर के मामले तेजी से बढ़े हैं। चिकित्सकों ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।नारीबारी रोड, आकाश भारत गैस एजेंसी के बगल स्थित प्रज्ञा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. प्रभाकर सिंह ने बताया कि तापमान के उतार-चढ़ाव से शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। इस कारण वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। यदि समय पर इलाज न किया जाए तो यह टायफाइड में भी बदल सकता है। उन्होंने बताया कि बचाव के लिए रात में हल्दी वाला दूध और दिन में तुलसी-अदरक वाली चाय बेहद फायदेमंद है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखती है और संक्रमण से लड़ने की ताकत देती है।शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास श्रीराम हॉस्पिटल के संचालक धीरज सिंह ने कहा कि वायरल बुखार तेजी से एक-दूसरे में फैलता है। इससे बचने के लिए साफ-सफाई सबसे जरूरी है। बाहर से घर आने पर हाथों को 20 सेकंड तक साबुन से धोएं, सैनिटाइजर का उपयोग करें। आंख, नाक और मुंह को बार-बार न छुएं। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में तला-भुना, ज्यादा मसालेदार भोजन और फ्रिज की ठंडी चीजें जैसे कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम से परहेज करें। ताजा और गर्म खाना खाएं, गुनगुना पानी, सूप और हर्बल टी पिएं। रोज 7 से 8 घंटे की पूरी नींद लें और मौसम के हिसाब से कपड़े पहनें, तभी स्वस्थ रह पाएंगे।

डीएम की अध्यक्षता में उद्योग बंधु बैठक सम्पन्न, उद्यमियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को नैनी स्थित शिरडी साई इलेक्ट्रिक में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। बैठक में पांच बिंदुओं पर चर्चा हुई। यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस पर डीएम ने चार प्रकरणों को निक्षेपित करने के निर्देश दिए। मेजा स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट यार्न लिमिटेड की भूमि प्रकरण पर उन्होंने यूपीसीडा को एसडीएम बारा से समन्वय कर अगली बैठक से पहले कार्य पूर्ण करने को कहा।दरबारी इंडस्ट्रीज के प्रोपराइटर डॉ. जीएल दरबारी के विद्युत ट्रिपिंग की शिकायत पर डीएम ने अधिशासी अभियंता बमरौली को समस्या के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। साथ ही सोरांव मिनी औद्योगिक आस्थान में बिजली व नाली निर्माण और शिरडी साई से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण के भी निर्देश दिए। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग शरद टंडन ने किया। बैठक में यूपीसीडा आरएम, एलडीएम, सहायक आयुक्त उद्योग, विद्युत विभाग के अधिकारी, आईटीआई प्रधानाचार्य और औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी अनिल अग्रवाल, नटवर लाल, मुरारी लाल अग्रवाल, संतोष त्रिपाठी, डॉ. सतपाल गुलाटी सहित कई उद्यमी उपस्थित रहे।

हंडिया पॉलिटेक्निक में 201 नवदम्पत्तियों का सामूहिक विवाह सम्पन्न, चार ब्लॉकों के जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

ब्लाक प्रमुख हंडिया सहित अधिकारियों ने नवविवाहितों को दिया आशीर्वाद, जिलाधिकारी समेत अफसर रहे मौजूद

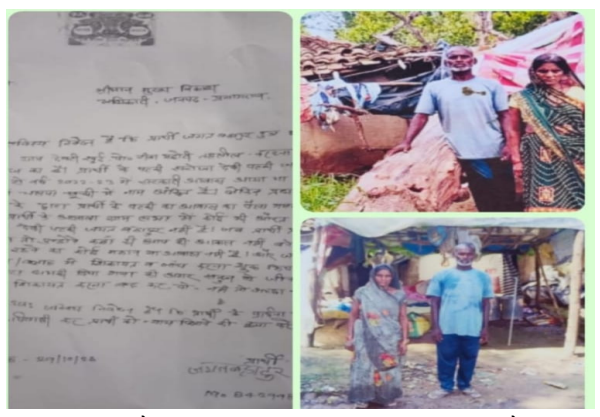
इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 30.10.2026 को हंडिया पॉलिटेक्निक कॉलेज हंडिया में 201 नवदम्पत्तियों का विवाह कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हुआ। इसमें विकास खण्ड हंडिया के 25 जोड़े, धनूपुर के 36 जोड़े, प्रतापपुर के 70 जोड़े एवं सैदाबाद के 70 जोड़े शामिल रहे।
कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख हंडिया महेन्द्र कुमार सिंह सहित विशिष्ट अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।
वैवाहिक कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उपनिदेशक समाज कल्याण प्रयागराज मण्डल, उपायुक्त मनरेगा प्रयागराज, जिला समाज कल्याण अधिकारी रामशंकर पटेल एवं संबंधित विकास खण्डों के खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

करछना में आवास के नाम पर फजीर्वाड़ा - लिस्ट में नाम, धरातल पर आवास गायब - 4 साल से न्याय के लिए भटक रही सरोजा - सीडीओ ने दिए जांच के आदेश

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। करछना ब्लॉक के महोरी रीवा देवरी खुर्द गांव में आवास योजना में बड़ा फजीर्वाड़ा उजागर हुआ है। गांव की सरोजा देवी पत्नी जगत बहादुर पटेल पिछले चार साल से आवास के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। मामला बेहद चौंकाने वाला है। आवास योजना की लाभार्थी सूची में सरोजा देवी का नाम दर्ज है और कागजों में आवास वितरित दिखा दिया गया है, लेकिन मौके पर महिला आज भी कच्चे मकान में रहने को मजबूर है। यानी कागजों में आवास बंट गया, हकीकत में महिला को मिला ही नहीं। ग्रामीण पूछ रहे हैं कि आवास की राशि आखिर किसके खाते में गई?पीड़िता का आरोप है कि ग्राम प्रधान राजकुमार पटेल और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से उसकी फाइल दबा दी गई। साल 2022 से 2026 तक लगातार शिकायती पत्र दिए गए, लेकिन हर बार आश्वासन देकर टाल दिया गया। कोई अधिकारी जांच करने गांव तक नहीं पहुंचा।अंत में थक-हारकर बृहस्पतिवार को सरोजा देवी प्रयागराज की मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह से मिलीं और आपबीती सुनाई। उन्होंने लिस्ट में नाम होने के साक्ष्य भी दिखाए। सीडीओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच का आदेश दिया है।ग्रामीणों का कहना है कि करछना में यह अकेला मामला नहीं है। कई पात्र आवास से वंचित हैं। अब सीडीओ की जांच के बाद सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

जारी क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था ध्वस्त, जिम्मेदार कौन, ग्रामीणों ने उठाए सवाल!



इंडिपेंडेंट भारत कौंधियारा/प्रयागराज आशीष तिवारी

13 घंटे से अधिक बिजली गुल, खराब मौसम के बीच ग्रामीण बेहाल; बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कौंधियारा के जारी पॉवर हाऊस के फीडर क्षेत्र में बिजली व्यवस्था की बदहाली से शुक्रवार को हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बीती रात करीब तीन बजे से बाधित हुई विद्युत आपूर्ति शाम सात बजे तक भी बहाल नहीं हो सकी। करीब 13 से 14 घंटे तक बिजली गुल रहने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली।

बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने पर 33 केवी गन्ने पावर हाउस फीडर में तकनीकी खराबी आने की जानकारी दी गई। लेकिन घंटों बीत जाने के बावजूद आपूर्ति बहाल नहीं होने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। स्थिति यह रही कि जारी पावर हाउस से जुड़े विभिन्न फीडरों की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि खराब मौसम और भारी बारिश के बीच लंबे समय तक बिजली गुल रहने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। घरेलू कामकाज से लेकर पेयजल और अन्य जरूरी कार्यों तक पर इसका असर पड़ा।

सवाल यह है कि आखिर एक तकनीकी खराबी को दूर करने में 13 से 14 घंटे क्यों लग रहे हैं? क्या बिजली विभाग के पास आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है?

उपभोक्ताओं ने विभागीय उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेने, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त कराने और भविष्य में ऐसी परेशानी से बचाव के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

सेहुंडा की रामलीला में एक ही रात में दो तूफान, जब अयोध्या रोई और लंका में भूकम्प



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

प्रयागराज। यमुनानगर अंतर्गत तहसील व थाना बारा क्षेत्र स्थित सेहुंडा गांव में चल रही रामलीला में अयोध्या के चक्रवर्ती सम्राट दशरथ बच्चों की तरह बिलखते नजर आए, उनकी निगाहें राम, लक्ष्मण और सीता को देखने के लिए व्याकुल थीं। मंत्री सुमन्त के यह कहने पर कि राम, लखन और सीता वापस नहीं आए। तभी दशरथ जी ने हा राम! हा राम !पुकारते-पुकारते मंच पर ही दम तोड़ दिया, तो पूरे मैदान में सन्नाटा पसर गया। कौशल्या के विलाप पर कई महिलाओं की आंखों से आंसू बह निकले। आयोजकों को कुछ देर के लिए मंचन रोकना पड़ा।अभी दर्शक इस शोक से उबरे भी नहीं थे कि दृश्य बदला और पंचवटी का घनघोर वन सामने था। स्वर्ण-मृग की चमक ने बच्चों को मोह लिया, लेकिन असली तूफान तब आया जब साधु वेशधारी रावण ने अपना चोला फेंका। दसशीश धारी लंकेश की दहाड़ हुई-मैं दशानन रावण हूं। रंगमंच का पंडाल गूंज उठा।

सीता हरण का दृश्य इतना सजीव था कि लोग कुर्सियों से उठ खड़े हुए। पुष्पक विमान में जकड़ीं सीता जब हा राम! बचाओ,बचाओ पुकारते हुए अपने गहने नीचे फेंक रही थीं, तो दर्शक दीर्घा से भी "सीता माता की जय" के नारे गूंजने लगे। घायल जटायु के पंख फड़फड़ाने और राम के करुण विलाप पर पर्दा गिरा, तो मिनटों तक तालियां नहीं रुकीं।महोत्सव समिति के निर्देशक ने कहा,ऐसा मंचन दशकों में नहीं देखा गया। कलाकारों ने नहीं, स्वयं पात्रों ने जन्म लिया था। इस दौरान हजारों की संख्या में रामलीला देखने आए दर्शकों की आंखे सजल रहीं,और वे नम आँखों से सीताराम सीताराम कहते हुए घर चले गए। कल रात को बालि वध और लंका दहन की रामलीला दिखाई जाएगी।

पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त का प्रधानमंत्री ने किया हस्तांतरण, प्रयागराज में हुआ सजीव प्रसारण

जनपद के 5.96 लाख किसानों के खाते में पहुंची सम्मान निधि, जिलाधिकारी ने किसानों को सौंपे स्वीकृति पत्र



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

प्रयागराज। प्रधानमंत्री के द्वारा शुक्रवार को बनासकांठा, गुजरात से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त का हस्तांतरण किया गया। प्रधानमंत्री जी के इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन के गंगा सभागार में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह उपस्थित रहीं। उप निदेशक कृषि ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा जनपद प्रयागराज के लगभग 5,96,000 किसानों को भी किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त हस्तांतरित की गई है। किसान सम्मान निधि से किसान खेती से जुड़े बीज, खाद एवं अन्य निवेशों का इंतजाम समय से कर पाते हैं, जिससे न केवल फसल उत्पादन बल्कि आय वृद्धि में भी लाभ मिलता है।इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा शंभू नाथ, नौनिहाल सिंह, मनोज कुमार मालवी, राम भजन, अयोध्या प्रसाद, कल्याण सिंह, पंकज सिंह, बलवंत सिंह, मलखान सिंह एवं अशर्फी लाल को किसान सम्मान निधि का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र नैनी के वैज्ञानिक डॉ. मुकेश पी मसीह, डॉ. एस. पी सिंह, डॉ. डी एस चौहान एवं अन्य अधिकारी, वैज्ञानिक तथा बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

जिला क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक संगम सभागार में सम्पन्न, समूह गठन में तेजी लाने के निर्देश

लखपति महिला कार्यक्रम के तहत पांच उत्पादों की ब्रांडिंग-पैकेजिंग कर सफलता की कहानी लाने को कहा गया

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। शुक्रवार को संगम सभागार में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में उपायुक्त स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में जिला क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में पात्र लाभार्थियों को समूह में जोड़ने की प्रगति संतोषजनक नहीं है।उन्होंने विकासखंड मांडा, सैदाबाद, श्रृंगवेरपुर, शंकरगढ़ एवं उरुवा के खंड विकास अधिकारियों एवं ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को निर्देशित किया कि समय से निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इसी प्रकार लखपति महिला कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त खंड विकास अधिकारियों को अपने विकासखंड से न्यूनतम पांच अच्छे उत्पादों को सूचीबद्ध करते हुए उनकी ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग के साथ-साथ सफलता की कहानी बनाकर आगामी बैठक में लेकर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त स्वतः रोजगार द्वारा सभी बीडीओ को निर्देशित किया गया कि विकासखंड में कार्यरत समूह के समस्त कैडरों के मानदेय का समय से भुगतान सुनिश्चित करें। यदि कैडरों के मानदेय की डिमांड अभी तक जिले पर नहीं की गई है तो दो दिनों के भीतर जिले पर भेज दें। जिला मिशन प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में गठित नवीन समूहों के खाते कैंप लगाकर बैंकों से समन्वय स्थापित कर खोले जाएं।अंत में उपायुक्त स्वतः रोजगार द्वारा सभी खंड विकास अधिकारियों को विकासखंड स्तर पर माह में दो बार बैठक आयोजित कर बैठक की कार्यवृत्त जिले पर भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

98वें मठिया मेले में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, भव्य रावण दहन के साक्षी बने हजारों लोग

बारिश के बीच परंपरागत तरीके से हुआ रावण दहन, आतिशबाजी से रोशन हुआ आसमान

इंडिपेंडेंट भारत





ब्यूरो, कुशीनगर। विकास खंड खड्डा के मठिया बुजुर्ग गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित ऐतिहासिक 98वें मठिया मेले में शुक्रवार को भव्य रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ। बारिश के बावजूद मेले में श्रद्धालुओं और दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ। रावण के विशाल पुतले का दहन होते ही पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान हुई आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा और पूरा क्षेत्र उत्सवी माहौल में डूब गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4:30 बजे मुख्य अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय गोविन्द राव ने रावण के पुतले पर तीर चलाकर किया। रावण दहन देखने के लिए आसपास के गांवों के साथ ही दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। मुख्य अतिथि अजय गोविन्द राव ने कहा कि मठिया मेले की शुरूआत कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे के पूर्वजों ने की थी। दूबे परिवार, आयोजन समिति और ग्रामवासियों के सामूहिक प्रयास से यह ऐतिहासिक परंपरा 98 वर्षों से निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस गौरवशाली आयोजन का हिस्सा बनना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मेला संयोजक एवं सांसद विजय कुमार दूबे ने आयोजन में पहुंचे अतिथियों, श्रद्धालुओं, क्षेत्रवासियों और प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मठिया मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। सभी के सहयोग से यह परंपरा वर्षों से जीवंत है। उनकी कोशिश है कि आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत को पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाएं। गौरतलब है कि मठिया बुजुर्ग में आयोजित होने वाला यह पारंपरिक मेला क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। मेले के माध्यम से नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। दूबे परिवार, मेला आयोजन समिति और ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग से 98 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी पूरे उत्साह के साथ निभाई जा रही है। इस दौरान मेला सह संयोजक एवं खड्डा ब्लॉक प्रमुख शशांक दूबे, अनुज दूबे, अजय दूबे, व्यवस्थापक गोरख यादव, रामानुज मिश्रा, कुणाल राव, अजय गोविन्द राव (शिशु), ब्लॉक प्रमुख खोराबार, चमन यादव, शिवप्रताप कुशवाहा, संदीप श्रीवास्तव, संतोष मणि त्रिपाठी, चंदन शर्मा, मणिन्दर सिंह, जेपी सिंह, सुनील गुप्ता, अनुराग प्रताप सिंह सहित मेला समिति के पदाधिकारी, सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 संजय कुमार ने दी ब्याज माफी योजना की जानकारी, व्यापारियों के लिए सुनहरा मौका



गोरखपुर। एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 गोरखपुर जोन, संजय कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'ब्याज एवं अर्थदंड माफी योजना 2026' लागू हो चुकी है। कई सालों बाद व्यापारियों को पुराने बकाये, ब्याज और अर्थदंड से बड़ी राहत पाने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि यह योजना 31-12-2025 तक पारित आदेशों पर लागू है, चाहे वह वैट के हों, व्यापार कर के हों या अन्य पुराने कर हों। इसके साथ-साथ यह योजना मनोरंजन कर, केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमावली-1997, मनोरंजन कर अधिनियम 1995, उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर अधिनियम 1948, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 तथा मूल्य संवर्धित कर अधिनियम 2008 के अंतर्गत 31-12-2025 तक के बकाये कर, ब्याज व अर्थदंड को भी कवर करती है। योजना के चार सेगमेंट - योजना में ऑनलाइन आवेदन करने पर बकाया धनराशि के अनुसार चार स्लैब रखे गए हैं: 1. 10 लाख रुपए तक के बकाये पर: ब्याज की राशि 100% माफ, अर्थदंड की राशि भी 100% माफ। बकाया न जमा करने पर आरोपित अर्थदंड भी 100% माफ। 2. 10 लाख से 1 करोड़ रुपए तक: ब्याज की धनराशि का मात्र 10% जमा करना होगा, 90% की छूट मिलेगी। अर्थदंड 100% माफ। 3. 1 करोड़ से 5 करोड़ रुपए तक: ब्याज की धनराशि पर 25% जमा करना होगा, 75% की छूट मिलेगी। 4. 5 करोड़ रुपए से अधिक पर: ब्याज की धनराशि पर 50% जमा करना होगा, 50% की छूट मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह योजना फिलहाल 3 माह के लिए 16-10-2026 से 16-01-2027 तक लागू की गई है। जिन व्यापारियों पर ब्याज बहुत ज्यादा बन गया है, उनके लिए यह सुनहरा अवसर है। गोरखपुर जोन में शुरूआती दौर में ही लगभग 104 व्यापारियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन कर दिया गया है। इन आवेदनों की जांच संबंधित खंड के अधिकारी करेंगे, स्वीकृति के बाद मूलधन जमा करने पर ब्याज की छूट मिल जाएगी। व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

गोरखपुर में अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 10 लीटर कच्ची शराब बरामद

गोरखपुर। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने गुलहरिया क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश के अनुपालन में जिला आबकारी अधिकारी गोरखपुर के निर्देश पर यह कार्रवाई अंजाम दी गई।

मुखबिर की सूचना पर दबिशः दिनांक 15.10.2026 को सायं 4:10 बजे मुखबिर खास की सूचना पर आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2, कैम्पियरगंज एवं अतिरिक्त प्रभार सेक्टर-2 सदर, एस.एन. वर्मा के नेतृत्व में टीम ने थाना गुलहरिया अंतर्गत ग्राम भगवानपुर में अवैध कच्ची शराब के संदिग्ध स्थल पर दबिश दी। 10 लीटर शराब बरामद, 150 किलो लहन नष्टः दबिश के दौरान टीम को लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। मौके पर लगभग 150 किलोग्राम लहन भी नष्ट किया गया। इस कार्रवाई के संबंध में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत एक अभियोग पंजीकृत किया गया है।

दुकानों का औचक निरीक्षण

कार्रवाई के बाद आबकारी टीम ने कम्पोजिट शॉप एवं देशी मदिरा दुकानों का भी औचक निरीक्षण किया। विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए गए कि वे नियमानुसार ही दुकानों का संचालन करें तथा किसी भी स्थिति में दुकान निर्धारित समय से पहले या बाद में न खोलें।

पाश मशीन से ही बिक्री अनिवार्यः अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि देशी मदिरा की शत-प्रतिशत बिक्री पाश मशीन से ही की जाए। निरीक्षण के दौरान विक्रेताओं को नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए चेताया गया।

आबकारी विभाग ने कहा है कि अवैध शराब के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खड्डा के मठिया बुजुर्ग में 98वें ऐतिहासिक मेले में रावण दहन





खड्डा, कुशीनगर। मठिया बुजुर्ग में 98वें ऐतिहासिक मठिया मेले का आयोजन बारिश के बीच धूमधाम से हुआ। विशाल रावण पुतला दहन होते ही पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा और आतिशबाजी से आसमान जगमगा गया।

पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय गोविंद राव ने तीर चलाकर रावण दहन किया। कहा जाता है कि सांसद विजय कुमार दुबे के पूर्वजों ने मेले की शुरूआत की थी। 98 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दे रही है। सांसद दुबे ने मेले में आए सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार जताया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख संघ उपाध्यक्ष शशांक दुबे, अजय गोविंद राव शिशु बाबू, कुणाल राव, अनुज तिवारी, लेखपाल मारकंडे गुप्ता और बड़ी तादाद में कई थानों की पुलिस मौजूद रही।

अल्पवर्षा की आशंका पर किसानों को बताए गए खेती के तरीके

रबी कर्मशाला में जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर





कृष्णानंद मिश्र मधुबनी पश्चिमी चंपारण। मौसम में बदलाव और अल्पवर्षा की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की सलाह दी है। शुक्रवार को आत्मा के सौजन्य से मधुबनी प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड स्तरीय रबी कर्मशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन बीडीओ कुंदन कुमार, प्रखंड प्रमुख विजया सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुमित कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामपुकार बैठा, नोडल कृषि समन्वयक रविंद्र कुशवाहा और विधायक प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कर्मशाला में बीडीओ कुंदन कुमार ने कहा कि संभावित अल्पवर्षा को देखते हुए किसानों को जल संरक्षण और वैकल्पिक फसलों पर ध्यान देना चाहिए। कम पानी में तैयार होने वाली मडुआ, मसूर, गेहूं और मक्का की खेती को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने की भी अपील की।

प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामपुकार बैठा ने आत्मा योजना, जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम, जल संरक्षण और बिहार कृषि ऐप की जानकारी दी। वहीं, नोडल कृषि समन्वयक रविंद्र कुशवाहा ने कृषि यंत्रीकरण, फार्मर रजिस्ट्री, बीज उत्पादन, कृषि ड्रोन, फसल विविधीकरण और संकर गेहूं की खेती के बारे में बताया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने किसानों से धान की कटाई के बाद पराली नहीं जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पराली से जैविक खाद तैयार कर खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाई जा सकती है। बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को मिट्टी की जांच कराने और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का संचालन किसान सलाहकार रामराज सिंह ने किया। मौके पर किसान सलाहकार मणिन्द्र कुशवाहा प्रगतिशील किसान सतेंद्र यादव, बृजभूषण यादव, हिरामन बिन, राहुल यादव, आद्या खरवार सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

एमएमएमयूटी की टीम '2 पॉइंटर' ने हैकाथॉन में मारी बाजी, हासिल किया पहला स्थान

हैक्टॉबरफेस्ट एक्स बाइटब्रॉल-2026 में 25 टीमों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने दिखाई तकनीकी प्रतिभा, वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए तैयार किए प्रोटोटाइप

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में आयोजित 'हैक्टॉबरफेस्ट एक्स बाइटब्रॉल-2026' हैकाथॉन में विश्वविद्यालय की टीम '2 पॉइंटर' ने प्रथम स्थान हासिल किया। कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की तकनीकी सोसाइटी 'फ्लक्स' की ओर से गुरुवार को आयोजित प्रतियोगिता के अंतिम चरण में 25 टीमों के 50 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने वास्तविक जीवन की समस्याओं के तकनीक आधारित समाधान विकसित कर निर्णायकों के समक्ष प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में पहले दौर से चयनित टीमों को व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए कार्यशील प्रोटोटाइप विकसित करने की चुनौती दी गई थी। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक सोच, प्रोग्रामिंग कौशल और तकनीकी ज्ञान का उपयोग करते हुए विभिन्न परियोजनाएं तैयार कीं। इसके बाद टीमों ने निर्णायकों के समक्ष अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया और उनके व्यावहारिक उपयोग की संभावनाओं को समझाया। कड़े मुकाबले के बाद एमएमएमयूटी की टीम '2 पॉइंटर' ने अपने अभिनव विचार और उत्कृष्ट तकनीकी क्रियान्वयन के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। आईटीएम की टीम 'क्वार्क्स' दूसरे और टीम 'नक्षत्र' तीसरे स्थान पर रही। वहीं, एमएमएमयूटी की टीम 'पी-2' ने चौथा तथा टीम 'सुपिक' ने पांचवां स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में फ्लक्स के संकाय सलाहकार डॉ. सात्विक वत्स और डॉ. श्वेत केतु ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों की परियोजनाओं का मूल्यांकन विचारों की मौलिकता, तकनीकी क्रियान्वयन, रचनात्मकता और वास्तविक समस्याओं के समाधान में उनकी उपयोगिता के आधार पर किया। समापन समारोह में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पदक, स्मृति चिह्न, प्रमाणपत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। चौथे और पांचवें स्थान पर रही टीमों को पदक एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के तकनीकी कौशल, टीमवर्क और नवाचार आधारित दृष्टिकोण की सराहना की।

अर्नव तूफान का अलर्ट, PET परीक्षार्थियों के लिए न बन जाए मुसीबत, जिला प्रशासन ने की तैयारी 1040 बसों का हो रहा संचालन

गोरखपुर। गोरखपुर में एक तरफ मौसम ने करवट ले ली है और अर्नव तूफान का अलर्ट जारी कर दिया गया है. इसी बीच 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को होने वाली ढएळ परीक्षा में दूसरे शहरों जनपदों से आने वाले परीक्षार्थियों की मुश्किलें बढ़ सकती है. ऐसे में जिला प्रशासन ने भी तैयारी कर लिया है और अधिकारियों और परीक्षा केंद्रों को पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए निर्देश भी जारी किया है।

गोरखपुर में 29 अक्टूबर सुबह से ही बूंदाबांदी शुरू हो गई है. जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से अलर्ट भी जारी कर दिया गया है. इस बीच गोरखपुर के डीआईओएस और बीएसए धीरेंद्र त्रिपाठी ने ढएळ को देखते हुए पत्र जारी कक्षा 1 से 12 तक के सभी बोर्ड के स्कूल में छुट्टी घोषित कर दी है. आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से लोगों को घर हो या सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है. गोरखपुर के एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार ने बताया कि ढएळ परीक्षा गोरखपुर में कुल 52 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है. इसमें 25 अक्टूबर को हम लोग सकुशल परीक्षा संपन्न करा चुके हैं. 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को दो पाली में परीक्षा आयोजित की जानी है. एक पाली में 23208 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. सभी केंद्रों पर सेक्टर, स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक की तैनाती की गई है. वर्तमान में अर्नव तूफान के पूर्वानुमान को देखते हुए सभी अधिकारियों की मीटिंग की गई है. सभी केंद्रों और व्यवस्थापकों को निर्देशित किया गया है कि जहां भी होल्डिंग एरिया बनाते हैं, वहां पर शेड की व्यवस्था की जाए. जिससे किसी भी परीक्षार्थी को परेशानी का सामना न करना पड़े और न ही उनके डॉक्यूमेंट खराब हो. रेलवे और रोडवेज के अधिकारियों के साथ बैठक करके उन्हें भी निर्देश दिए गए हैं. अधिक से अधिक बच्चों की मदद की जा सके, जिससे उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पड़े. रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर भी शेड वाले होल्डिंग एरिया में बच्चों को खड़ा करने या बैठने की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया गया है, जिससे बारिश से बचा जा सके. केंद्र व्यवस्थापकों के साथ ही विद्यार्थियों से भी खुद की सुरक्षा करने के लिए निर्देशित किया गया है. गोरखपुर जनपदवासियों से भी अपील है कि अनावश्यक घर से बाहर न निकले. बाहर निकलते हैं, तो पेड़ की आड़ में खुद को सुरक्षित महसूस न करें. बिजली कड़कती है, तो सुरक्षित स्थान पर रहें. जरूरी काम हो तभी घर से बाहर निकले और अपनी सुरक्षा स्वयं करें. सभी विभाग के अधिकारियों को अपनी टीम को अलर्ट रहने के लिए निर्देशित किया गया है. किसी भी तरह की जनहानि नहीं होने पाए. अर्नव तूफान को देखते हुए गोरखपुर जनपद येलो रेंज में है. तूफान को देखते हुए जो समय सीमा निर्धारित हुई है, उसे देखते हुए तैयारी की गई है. आपदा विभाग के ग्रुप की तरफ से भी जनपद के कोने-कोने से इनपुट लिया जा रहा है. टीम अलर्ट है और किसी भी प्रकार की कोई घटना नहीं होने देंगे।

समाचार

रिमझिम बारिश, बादलो के बीच चन्द्रदेव का पूजन कर तोड़ा व्रत



विनय कुमार गुप्ता

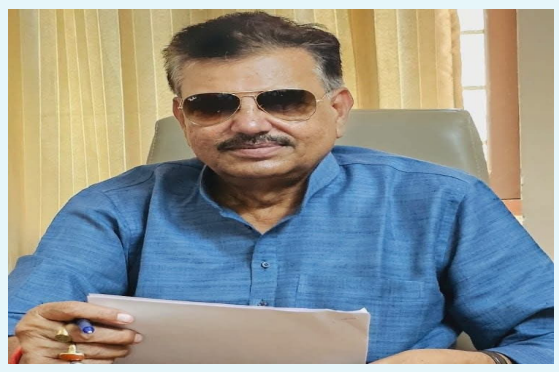
रुद्रपुर देवरिया। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में करवा चौथ का पर्व गुरुवार को हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। अर्नव चक्रवात के प्रभाव के चलते सुबह से ही रिमझिम बारिश और आसमान में बादलों का दौर जारी रहा। बदलते मौसम के बावजूद महिलाओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। करवा चौथ के अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ पूरे दिन निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और करवा माता की कथा सुनी। शाम होते ही महिलाओं को चांद निकलने का इंतजार रहा। मौसम में उतार-चढ़ाव के बीच चांद के दर्शन होने पर महिलाओं ने अर्घ्य देकर पूजा की और पति के हाथों पानी पीकर व्रत खोला। घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बारिश और बादलों के बीच भी आस्था और परंपरा का रंग फीका नहीं पड़ा।

प्रधानमंत्री ने पीएम किसान की 24 वीं किस्त जारी, 9.34 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचे 2000 रुपये



पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त आज 30 अक्टूबर को जारी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा जिले के भिलडी से यह किस्त जारी की। इस बार डीबीटी के जरिए 9.34 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के खातों में 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। हर पात्र किसान को 2000 रुपये मिले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह योजना करोड़ों छोटे किसानों के जीवन का अहम हिस्सा बन गई है। सरकार ने बताया कि अब तक 23 किस्तों के जरिए 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 4.47 लाख करोड़ से अधिक की किसानों को सहायता दी जा चुकी है।

निहत्थे कारसेवको पर गोलिया चलवाने वाले चंदे का हिसाब मांगते हैंः डॉ. अंतयार्मी



विनय कुमार गुप्ता

देवरिया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अंतयार्मी सिंह ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज सपा सनातन धर्म के नाम पर ढोंग कर रही है और मंदिर के चंदे का हिसाब मांग रही है। उसे 30 अक्टूबर 1990 की घटना याद करनी चाहिए, जब अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोलियां चलाई गई थीं। डॉ. सिंह ने कहा कि तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार के कार्यकाल में पुलिस की गोलीबारी में कई कारसेवकों की जान गई थी। कोठारी बंधुओं समेत अनेक कारसेवकों का बलिदान आज भी हिंदू समाज की स्मृतियों में जीवित है। उन्होंने कहा कि उस घटना को लोग आज भी अयोध्या के इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों की सरकार में कारसेवकों पर गोलियां चली थीं, वही आज राम मंदिर के चढ़ावे का हिसाब मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा को पहले अपने अतीत और राम मंदिर आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं पर जवाब देना चाहिए। और हिन्दू समाज से माफी मांगनी चाहिए।

अजीत सिंह बब्बन का दावा- हरदोई निश्चित जीती होगी, हमारे पास 2 हजार मतों की बढ़त की सूचना

स्नातक एमएलसी चुनाव : भाजपा की रणनीति पर दाग, जीत का अंतर मुंह के बल पलटा

सोशल मीडिया पर यूजीसी नियमावली में बदलाव की मांग, महंगाई और बेरोजगारी की चहुंओर चर्चा

■ हरदोई

विधान परिषद की लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन सीट का नतीजा आ गया है। भाजपा के इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह की हार के साथ ही 'हमारी हार का प्रश्न ही पैदा नहीं होता' का दंभ भी चूर हो गया। परिणाम ने उन लोगों को भी पुनर्विचार के लिए बाध्य किया, जो मुद्दों से कटकर प्रत्याशियों के पते के आधार पर बहस को भटकाने में जुटे थे। पब्लिक अब मुद्दों की बात चाहती है, सोशल मीडिया पर उभरी प्रतिक्रियाओं से कम से कम ऐसा ही संकेत मिलता है।

कांति को 56,905 मत, अवनीश को 39,778 वोट : 2020 में भाजपा के अवनीश ने निर्दलीय कांति सिंह को 6,403 मतों से हराया था। अवनीश को 39,588 और कांति को 33,185 वोट मिले थे। इस बार समीकरण मुंह के बल पलट गया। कांति को 56,905 मत मिले, जबकि अवनीश 39,778 वोट ही पा सके। कांति ने 17,127 मतों से जीत दर्ज की। छह साल पहले भाजपा के पक्ष में रहा 6,403 मतों का अंतर इस बार उलटकर सपा के पक्ष में 17,127 मतों का हो गया। दोनों चुनावों के जीत के अंतर में 23,530 मतों का बदलाव आया है।

कोई बता रहा भीतरघात, कोई फोड़ रहा ठीकरा इंजीनियर के माथे : भाजपा के फॉलोअर्स भी इस परिणाम की व्याख्या पर एकमत नहीं दिखे। कोई भीतरघात की बात कर रहा है तो कोई हार का ठीकरा इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह के माथे फोड़ रहा है। वहीं, कुछ लोगों ने चुनाव को करदाताओं पर बोझ बताते हुए विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक सीटों की प्रासंगिकता पर ही सवाल खड़े किए। चर्चित सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर विवेक त्रिवेदी ने इस मुद्दे को संजीदगी से उठाया। उनका तर्क है, या तो इन चुनावों और पदों को समाप्त किया जाए, या फिर हर विभाग को स्नातक और शिक्षक वर्ग की तरह विधानमंडल के उच्च सदन में प्रतिनिधित्व दिया जाए।

गोधूलि बेला में विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट : इस चुनाव को गोधूलि बेला में विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट भी कहा जा रहा है। स्नातक निर्वाचन का मतदाता वर्ग सीमित और विशिष्ट जरूर है, लेकिन यही मतदाता विधानसभा चुनाव में भी मतदान करता है।



इसलिए इस नतीजे को पूरी तरह अलग-थलग रखकर देखना भी आसान नहीं है। यह विधानसभा चुनाव का सीधा पूर्वानुमान नहीं, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए अपने मुद्दों, संगठन और मतदाताओं से संवाद की समीक्षा का अवसर जरूर है।

माननीयों का वोट न होना बड़ी बात नहीं, फिर बोले- चूक हुई : अधिसंख्य जनप्रतिनिधियों के मतदाता न होने के सवाल पर बब्बन ने पहले कहा, जिन्हें जो काम दिया गया था, सभी ने किया। जनप्रतिनिधि मतदान केंद्रों पर बैठे रहे। उनका वोट नहीं बन पाया तो यह इतनी बड़ी बात नहीं है। हालांकि, बातचीत आगे बढ़ी तो उन्होंने माना, माननीयों के वोट न बन पाना चूक थी। भविष्य में इन सभी बिंदुओं पर चर्चा कर कमियों को ठीक किया जाएगा।

भीतरघात पर बोले बब्बन-हर बिन्दु की होगी समीक्षा : भीतरघात की चर्चा पर बब्बन ने कहा, अभी ऐसा कुछ सामने नहीं आया है। यह नहीं कह सकते भीतरघात हुआ। जो भी बातें होंगी, सामने आएंगी। कहां समस्या रही, इन सबकी बिन्दुवार समीक्षा की जाएगी। दोहराया, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बातचीत के आखिर में जिलाध्यक्ष ने एक दावा किया। कहा, बूथवार मतदान को लेकर उन्हें जो फीडबैक मिला है, उसके हिसाब से हरदोई में भाजपा निश्चित रूप से जीती होगी। सूत्रों के हवाले से उन्होंने हरदोई से दो हजार मतों की बढ़त का दावा भी किया। हालांकि, यह उनका दावा है, इसकी पुष्टि के लिए आधिकारिक बूथवार आंकड़े जरूरी होंगे।

जिलाध्यक्ष ने परिवार के वोट भी बनवाए, संग किया मतदान : भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने संगठनात्मक जिम्मेदारी के साथ अपने परिवार के मतदाता पंजीकरण पर भी ध्यान दिया। उन्होंने पिता महिपाल सिंह, जो सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, और पुत्रियों जया व दिव्या का वोट बनवाया। इसके बाद परिवार के साथ मतदान भी किया। जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों के मतदाता न होने की चर्चा के बीच बब्बन का यह कदम ध्यान खींचता है। संगठन के स्तर पर मतदान की तैयारी और मतदाता पंजीकरण दोनों महत्वपूर्ण हैं। जिलाध्यक्ष ने परिवार के पात्र सदस्यों के वोट बनवाकर और उनके साथ मतदान करके इस जिम्मेदारी का उदाहरण पेश किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- परिणाम ठीक नहीं, कमियों पर करेंगे विचार



भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने 'स्वदेश' से बातचीत में लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन में पार्टी की हार को स्वीकार किया। कहा, परिणाम ठीक नहीं है। शिक्षक सीट पर जीत मिली, लेकिन स्नातक सीट हार गए। कार्यकर्ताओं ने पूरी मेहनत की। बैठकर कमियों पर विचार करेंगे। जहां कमी रही है, उससे सीखेंगे और पुन: जीतेंगे।

पूर्व जिला अध्यक्षों के लबों पर खामोशी, सवालों से मुकाबिल संगठन

हरदोई। लखनऊ खण्ड स्नातक निर्वाचन सीट के परिणाम पर भाजपा के गलियारों में सन्नाटा है। संगठन के खेवनहार रहे पूर्व के नेताओं को भी प्रतिक्रिया सूझ नहीं रही, इसलिए उनके सोशल मीडिया हैंडल पर खामोशी पसरी है। कोई भी परिणाम को हजम नहीं कर पा रहा है, सम्भवत : चुप्पी उसी का नतीजा है।

फट्टे पर रहे राजीव रंजन के लिप लॉक : 2014 में जब भाजपा ने हरदोई और मिश्रिख, दोनों लोकसभा सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की थी, तब राजीव रंजन मिश्र जिलाध्यक्ष थे। मतदान के दिन वह पार्टी के फट्टे पर मौजूद भी दिखे, लेकिन परिणाम आने के बाद उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।



श्रीकृष्ण के मुखारबिन्द भी शान्त : 2017 में जब हरदोई की आठ में सात विधानसभा सीटों पर भाजपा जीती और सूबे में पार्टी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनी तो श्रीकृष्ण शास्त्री जिलाध्यक्ष थे। इन दिनों वह सीतापुर की लहरपुर विधानसभा सीट के प्रभारी हैं। राष्ट्रीय परिषद व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भी हैं। दिलचस्प यह है, उनके प्रभार वाली विधानसभा सीट भी लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में आती है, लेकिन इस परिणाम पर उनकी ओर से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।



कुम्हलाए 'नीरज' परिणाम पर चुप, यूजीसी के जिक्र पर कुपित : 2019 में हरदोई और मिश्रिख की दोनों लोकसभा सीटों तथा 2022 में जिले की सभी आठ विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। तब सौरभ मिश्र नीरज जिलाध्यक्ष थे। अब वह लखनऊ जिला संगठन के प्रभारी हैं। सौरभ भी इस परिणाम पर खामोश हैं।



अलबत्ता, इस हार को यूजीसी की नई नियमावली में बदलाव का परिणाम बताने वालों पर वह जरूर भड़के। पहले उन्होंने कहा, गलतफहमी सबकी दूर होगी। इसके बाद सवाल किया, जिन सीटों पर भाजपा जीती, वहां क्या यूजीसी का मुद्दा पाताल में चला गया था? क्या सपा यूजीसी के पक्ष में थी, इसलिए जीत गई?

कांति पर स्नातक एमएलसी व्यवस्था की प्रासंगिकता बनाने की जिम्मेदारी : पूर्व जिलाध्यक्षों की प्रतिक्रियाओं और सवालों के बीच एक बात साफ है, इस नतीजे की समीक्षा केवल किसी एक मुद्दे या व्यक्ति पर जिम्मेदारी डालकर पूरी नहीं हो सकती। यूजीसी, महंगाई और बेरोजगारी पर मतदाताओं की प्रतिक्रियाएं हों, संगठन की रणनीति हो या जनप्रतिनिधियों का मतदाता पंजीकरण, इन सभी बिंदुओं पर तथ्य जुटाकर विचार करना होगा। विजयी कांति सिंह से भी उम्मीद रहेगी, वह अपने कार्यकाल में कुछ रचनात्मक करें, जिससे विधान परिषद की इस सीट की प्रासंगिकता और इसमें स्नातकों का भरोसा बना रहे।



संक्षिप्त समाचार

ईवीएम और वीवीपैट भंडारण कक्ष का डीएम ने किया निरीक्षण



सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने गुरुवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट भंडारण कक्ष का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम भंडारण कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने भंडारण कक्ष की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

10 किलो सड़े रसगुल्ले नष्ट, 60 किलो काजू-अवैध फैक्ट्री सीज, मुकदमा दर्ज



हरदोई। दीपावली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 10 किलो सड़े रसगुल्ले नष्ट कराए और 60 किलो काजू सीज किए। महादेव स्वीट्स, बिलग्राम चुंगी पर रसगुल्ले नष्ट कराने के साथ खोया और रसमलाई के नमूने लिए गए। सांवरिया स्वीट्स, डीएम चौराहा से काजू का नमूना लेकर करीब 53 हजार रुपये कीमत का 60 किलो काजू सीज किया गया। बिना लाइसेंस संचालित फैक्ट्री बंद कराकर मुकदमा दर्ज कराया गया। वृंदावन स्वीट्स, एसपी तिराहा से पेड़े का नमूना लिया गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एसके श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश, पटेल, मान सिंह और निरंजन शामिल रहे। विभाग ने बताया, महादेव और वृंदावन स्वीट्स को अनियमितताओं पर नोटिस जारी किए गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य कुमार गुंजन ने बताया कि मिलावट के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

एसडीएम सदर गुलाब चन्द्र ने किया आतिशबाजी स्थलों का निरीक्षण



हरदोई। जिला मजिस्ट्रेट राहुल पाण्डेय के निर्देश पर उप जिला मजिस्ट्रेट सदर गुलाब चन्द्र ने गुरुवार को आतिशबाजी स्थलों का निरीक्षण किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, लोनार और सुरसा के थाना प्रभारियों के साथ रामलीला मैदान बावन और दयानंद डिग्री कॉलेज मैदान सुरसा का जायजा लिया। अधिकारियों को इन स्थलों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्र में आतिशबाजी बिक्री के लिए राजकीय इंटर कॉलेज मैदान टड़ियावां और नखासा बाजार बघौली को भी चिह्नित किया गया। संबंधित थाना प्रभारियों को डीएम-एसपी के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया। सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार और डिप्टी एसपी सिटी अजीत चौहान सीएसएन पीजी कॉलेज तथा आईटीआई मैदान को आतिशबाजी स्थल के रूप में चिह्नित करने की प्रक्रिया कर रहे हैं। प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन विभाग ने निर्धारित स्थलों पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

त्योहार की खरीदारी के बीच दुकानों में चोरी, तीन महिलाएं गिरफ्तार

खीरी से सीतापुर आकर बाजारों में कर रही थीं चोरी

■ सीतापुर

करवा चौथ की खरीदारी के बीच बाजार में सक्रिय महिला चोर गिरोह को कोतवाली नगर पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 14 पीतल के करवा, एक कूकर और एक साड़ी बरामद की है। बरामद करवा का वजन 17 किलो 350 ग्राम है। इनकी कीमत करीब 55 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिलाएं लखीमपुर खीरी से सीतापुर आकर तामसेनगंज समेत अन्य बाजारों की दुकानों में चोरी कर रही थीं।

मामला 28 अक्टूबर का है। पूर्णागिरी नगर निवासी सुबोध कुमार गुप्ता की दुकान से चार पीतल के करवा चोरी होने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीन महिलाओं को पकड़ा। सीसीटीवी फुटेज दिखाने और पूछताछ के बाद चोरी की घटना में उनकी



संलिप्तता सामने आने की बात कही गई। इसके बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर दो बोरों में छिपाकर रखा गया सामान बरामद किया। इसमें सुबोध की दुकान से चोरी किए गए चार करवा और अन्य दुकानों से चोरी के दस करवा, एक कूकर व एक साड़ी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं की पहचान पूनम निवासी फत्तेपुर, थाना मैगलगंज; सुशीला निवासी पिपरझला, थाना मितौली; और भिदलो निवासी पतरासी, थाना फूलबेहड़, जिला लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है।

फत्रकार को धमकी, मुकदमा दर्ज करने का आदेश

हरदोई। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट संख्या-1 ने पत्रकार पुनीत कुमार मिश्रा की शिकायत पर थाना बेनीगंज पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने 26 अक्टूबर को बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया। आरोप है, सात सितंबर को अवैध मिट्टी खनन की खबर प्रकाशित करने के बाद नरेंद्र शुक्ला ने उनके सहयोगी को फोन कर अभद्रता की। उन्हें व परिजनों को धमकी दी। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालकर छवि खराब की। स्थानीय पुलिस और पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली थी।



22 जनवरी से पांचाल घाट पर लगेगा श्री रामनगरिया मेला, डीएम ने परखी तैयारियां

20 फरवरी तक चलेगा मेला, श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर जोर, 'उप्र दर्शन' और फूड कोर्ट होंगे आकर्षण

■ फर्रुखाबाद

जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने गुरुवार को पांचाल घाट स्थित मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर श्री रामनगरिया मेला एवं विकास प्रदर्शनी की तैयारियों का जायजा लिया। मेला 22 जनवरी से 20 फरवरी 2027 तक लगेगा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश कुमार, खंड विकास अधिकारी बढ़पुर योगेश पांडेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान उन्होंने स्नान के लिए अस्थायी घाटों के निर्माण, सुरक्षा, साफ-सफाई, आवागमन और श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि संभावित भीड़ को देखते हुए घाटों का निर्माण कराया जाए, ताकि स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीएम ने बताया कि मेले को अधिक आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए साधु-संतों से सुझाव लिए जा रहे हैं। उनकी आवश्यकताओं



और परंपराओं को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस बार संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सहयोग से मेले में 'उत्तर प्रदेश दर्शन' की अवधारणा के तहत प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों की झलक दिखाई जाएगी। वहीं, खानपान की सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए फूड कोर्ट विकसित करने की योजना है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए, जिससे मेला अवधि में श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

लक्ष्य से ज्यादा आवेदन अब ई-लॉटरी से तय होंगे कृषि यंत्रों के लाभार्थी

सीतापुर। कृषि यंत्रों पर सरकारी अनुदान पाने के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने के बाद अब लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी से किया जाएगा। 31 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे एनआईसी सभागार में चयन प्रक्रिया होगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कृषि विभाग की विभिन्न यंत्रीकरण योजनाओं के तहत लक्ष्य से अधिक संख्या में कृषि यंत्रों की बुकिंग की गई है। ऐसे में लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के जरिए करने का निर्णय लिया गया है। इसमें सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन और फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण प्रोत्साहन योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं।

पूर्व सांसद डॉ. बाजपेयी भी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में

■ हरदोई

पिछले दिनों भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा हुई। सूची में कद्दावर नेता पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल, पूर्व क्षेत्रीय मंत्री संजय गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अशोक सिंह, नौमीश त्रिपाठी, माधौगंज नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्रा छोटे भैया का नाम था। जिले के ही दिग्गज नेता पूर्व सांसद डॉ. अशोक वाजपेयी की अनदेखी का सवाल उठा। ऐसे ही सवाल दूसरे जिलों में भी उठे होंगे। नतीजतन भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में कुछ अतिरिक्त नियुक्तियां की गईं।



भाई भुल्लन हैं शाहाबाद सीट से टिकट के तलबगार : जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने डॉ. अशोक बाजपेयी को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने का स्वागत करते हुए बधाई दी है। बताना जरूरी है, डॉ. बाजपेयी के सहोदर अनुज अजय बाजपेयी भुल्लन शाहाबाद विधानसभा सीट से पार्टी सिम्बल पर दावा कर रहे हैं। ऐसे में प्रदेश कार्यसमिति में डॉ. अशोक वाजपेयी का नहीं होना, भुल्लन की तैयारी की दृष्टि से ऋणात्मक पक्ष की तरह देखा जा रहा था। ध्यान रहे, 2017 में डॉ. बाजपेयी की छोड़ी सीट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधान परिषद पहुंचे थे।

संजय कश्यप तिबारा निषाद पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त



हरदोई। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने हरदोई के संजय कश्यप को लगातार तीसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी जिलाध्यक्ष मनोज कश्यप, जिला पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुशी जताते हुए बधाई दी।

फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही पर सीडीओ सख्त, 79 लेखपालों पर कार्रवाई के निर्देश

फर्रुखाबाद। जनपद में फार्मर रजिस्ट्री और फैमिली आईडी की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कार्य में लापरवाही पर सख्ती दिखाई। एक सप्ताह में एक भी फार्मर रजिस्ट्री नहीं बनाने वाले 79 लेखपालों के संबंध में संबंधित उपजिलाधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जनपद में कुल 2,50,162 किसानों की फार्मर आईडी बनाई जानी है। इनमें से अब तक 2,11,031 किसानों की आईडी तैयार हो चुकी हैं, जबकि 39,131 किसानों की आईडी बनना शेष है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

यूरिया, डीएपी और एनपीके खाद की कमी नहीं, कालाबाजारी पर प्रशासन की पैनी नजर

■ फर्रुखाबाद

जनपद में रबी सीजन की फसलों के लिए यूरिया, डीएपी और एनपीके खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और किसानों को खाद के लिए परेशान होने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। सहकारी केंद्रों और गोदामों में खाद का प्रचुर स्टॉक मौजूद है। यह जानकारी सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता फर्रुखाबाद द्वारा जारी एक प्रेस नोट के माध्यम से दी गई है।

जानकारी के अनुसार जनपद में इफको सहित कुल पचहत्तर सहकारी उर्वरक बिक्री केंद्र पूरी तरह सक्रिय हैं। इन केंद्रों और गोदामों में उनतीस अक्टूबर दो हजार छब्बीस तक ग्यारह सौ सतहत्तर मीट्रिक टन यूरिया, नौ सौ अठहत्तर मीट्रिक टन एनपीके और छह सौ चौहत्तर मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। इसके अलावा बफर स्टॉक में भी इक्यासी सौ नवासी मीट्रिक टन यूरिया, सोलह सौ छप्पन मीट्रिक टन एनपीके और पांच सौ अट्ठावन मीट्रिक टन डीएपी सुरक्षित रखा गया है। आपूर्ति को और बेहतर करने के लिए विभाग को आगामी दो दिनों में तेरह सौ चौहत्तर मीट्रिक टन कृभको डीएपी और पांच सौ मीट्रिक टन एनएफएल की रैक प्राप्त हो रही है, जिसे सीधे रैक पॉइंट से साधन सहकारी समितियों में भेजा जाएगा।

सीतापुर में गोदाम में ठेलियां खड़ी करते समय हादसा, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

■ सीतापुर

रेउसा थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में बुधवार रात करंट की चपेट में आने से 30 वर्षीय सर्वेश की मौत हो गई। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक, सर्वेश पिछले सात-आठ महीने से त्रिभुवन लाल शर्मा के यहां काम करता था। बुधवार रात वह घर में बने गोदाम में ठेलियां खड़ी करने गया था। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौत हो गई।



सर्वेश के पिता पताली ने बताया कि उनका बेटा काम के सिलसिले में गोदाम में ठेलियां खड़ी कर रहा था। वहीं, परिजनों ने घटना की परिस्थितियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि हादसे के संबंध में उन्हें पूरी जानकारी नहीं दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मंडी निदेशक ने जताई नाराजगी, दो दिन में प्रक्रिया पूरी करने का अल्टीमेटम, किसानों को व्यवस्था दुरुस्त होने का इंतजार

धान खरीद शुरू हुए 15 दिन, अब तक हैंडलिंग ठेकेदारों का चयन नहीं!

■ सीतापुर

धान खरीद शुरू हुए 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन क्रय केंद्रों पर हैंडलिंग ठेकेदारों के चयन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। यह स्थिति धान खरीद की तैयारियों और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने इस देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को दो दिन में चयन प्रक्रिया पूरी करने का अल्टीमेटम दिया है। निदेशक ने सीतापुर की गल्ला-सब्जी मंडी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वेटिंग एरिया विकसित करने, अतिरिक्त शौचालयों का निर्माण कराने और सुरक्षा व्यवस्था



मजबूत करने के निर्देश दिए। धान खरीद की समीक्षा में ठेकेदारों के चयन में देरी को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया कि तय समय-सीमा में प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

15 दिन बाद भी प्रक्रिया अधूरी, निगरानी पर सवाल : धान खरीद शुरू होने के बाद भी ठेकेदारों के चयन की प्रक्रिया लंबित रहना विभागीय निगरानी पर सवाल खड़े करता है। निदेशक ने प्रत्येक जेई, एई और डीडीसी को अपने-अपने क्षेत्र की मंडियों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण में मिली कमियों को दूर कर अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने को भी कहा गया है।

किसानों को सुविधाएं देने के दावे, अमल पर नजर : निदेशक ने किसानों और व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी जाने। उन्होंने शिकायतों के प्राथमिकता से निस्तारण का आश्वासन दिया। मंडियों में स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। अब सवाल यह है कि धान खरीद शुरू होने के 15 दिन बाद तक ठेकेदारों के चयन की प्रक्रिया क्यों लंबित रही? जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते इसकी समीक्षा क्यों नहीं की? निदेशक के दो दिन के अल्टीमेटम के बाद अब यह देखना होगा कि प्रक्रिया तय समय में पूरी होती है या किसानों को इंतजार करना पड़ता है।

रबी फसलों की बुवाई से पहले बीज शोधन जरूरी

सीतापुर। रबी फसलों की बुवाई से पहले बीज शोधन नहीं करने पर किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीज और मिट्टी से फैलने वाले रोग फसल की पैदावार प्रभावित करते हैं। जिला कृषि रक्षा अधिकारी शिव शंकर ने किसानों को बुवाई से पहले बीज शोधन करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि समय पर बचाव के उपाय अपनाकर उत्पादन बढ़ाने और खेती की लागत कम करने में मदद मिल सकती है।
कृषि रक्षा अधिकारी के अनुसार, प्रदेश में कीट, रोग, खरपतवार और अन्य कारणों से प्रतिवर्ष फसलों को लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक क्षति होती है। रबी सत्र में गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर और सरसों की बुवाई से पहले बीज शोधन विशेष रूप से जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

सहायक आयुक्त ममता चौधरी के निर्देशन में खाद्य विभाग की छापेमारी, नौ नमूने लिए



मिठाई एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने एकत्र करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम।

बुलन्दशहर। दीपावली विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीमों ने गुरुवार को बुलंदशहर और खुर्जा में छापेमारी कर मिठाई, पनीर व अन्य दुग्ध उत्पादों के कुल नौ नमूने जांच के लिए एकत्र किए। सहायक आयुक्त ममता चौधरी के निर्देशन में हरि कैटरर्स स्वीट्स से खोया, केसर पेड़ा और छेना चमचम के तीन नमूने, पाल स्वीट्स से संदेश मिठाई तथा पाल डेयरी से पनीर का एक-एक नमूना लिया गया। वहीं, खुर्जा के डाबर स्थित एलके डेयरी एंड मिल्क प्रोडक्ट्स की निर्माण इकाई से पनीर, घी, क्रीम और स्किम्ड मिल्क पाउडर के चार नमूने संग्रहित किए गए। सभी नौ नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भगिनी निवेदिता की मनाई159वीं जयंती



भगिनी निवेदिता जयंती पर उपस्थित ग्राहक पंचायत व सेवा भारती के पदाधिकारी।

बुलन्दशहर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, जनपद बुलंदशहर एवं सेवा भारती के संयुक्त तत्वावधान में भगिनी निवेदिता की 159वीं जयंती जिला उपाध्यक्ष श्रीमती गीता बंसल के आवास पर मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सेवा भारती के प्रांतीय संरक्षक सतीश (बाबूजी) रहे। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के प्रांत सचिव पीतांबर जी, पर्यावरण आयाम प्रमुख आलोक जी, जिलाध्यक्ष अरुण जी, संरक्षक भगवत जी सहित दोनों संगठनों के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने भगिनी निवेदिता के जीवन और उनके योगदान को स्मरण किया।

बैंक प्रश्नोत्तरी में फरहान और याशिका ने मारी बाजी

औरंगाबाद। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक, औरंगाबाद शाखा की ओर से आरके पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बैंक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बैंकिंग सेवाओं, साइबर फ्रॉड से बचाव और खाते की गोपनीय जानकारी सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया। इस दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा नौ के फरहान और कक्षा 11 की याशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा नौ में लजीना द्वितीय और सोनल तृतीय, जबकि कक्षा 11 में रितिका द्वितीय और अयान तृतीय स्थान पर रहे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया बाह्य निरीक्षण

बुलन्दशहर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने गुरुवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ तहसील सदर परिसर स्थित ईवीएम वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था का जायजा लिया और सभी कैमरों के क्रियाशील होने की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर अंगद यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

30 अक्टूबर को होगी जीएसटी कार्यशाला, ब्याज माफी योजना की मिलेगी जानकारी

औरंगाबाद। प्रदेश सरकार की ब्याज माफी योजना की जानकारी देने के लिए शुक्रवार, 30 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे स्टेट हाईवे स्थित एडवोकेट गौरव अग्रवाल के कार्यालय पर जीएसटी कार्यशाला आयोजित होगी। कार्यशाला में डिप्टी कमिश्नर लल्लन मौर्य, असिस्टेंट कमिश्नर रामसिंह यादव और वाणिज्य कर अधिकारी प्रवीण श्रीवास्तव व्यापारियों को ब्याज माफी योजना की जानकारी देंगे और उनकी शंकाओं का समाधान करेंगे। एडवोकेट गौरव अग्रवाल ने व्यापारियों से कार्यशाला में शामिल होने की अपील की है।

राजघाट शनिदेव मंदिर की वर्षगांठ पर हुआ हवन और भंडारा

डिबाई। राजघाट स्थित शनिदेव मंदिर की सातवीं वर्षगांठ गुरुवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। शनि देव मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में पूजा-अर्चना, तेलाभिषेक और हवन के बाद विशाल भंडारा आयोजित हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान मोनू यादव, सोनू गोयल, पवन शर्मा सहित समिति के सदस्य व श्रद्धालु मौजूद रहे।

कचरा प्रबंधन पर संगोष्ठी व क्विज प्रतियोगिता आयोजित

डिबाई। पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पला कसेर में कचरा प्रबंधन को लेकर संगोष्ठी एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं जिया सलीम, दीप्ति और हिबा ने सूखे, गीले व ई-कचरे से होने वाली समस्याओं पर विचार रखे और जागरूकता पर जोर दिया। इकरा तस्दीक ने कचरे को अलग-अलग रंगों के डस्टबिन में डालने की जानकारी दी। प्रभारी प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार, सिंहवीर प्रताप सिंह व अवधेश कुमार ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्राओं का ज्ञान परखा और सही उत्तर देने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षक पीयूष मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने किया शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण

डिबाई। चेतराम हरियाणा इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को जेपी विश्वविद्यालय, अनूपशहर का शैक्षिक एवं तकनीकी भ्रमण कराया गया। इसके बाद महादेव मंदिर, हनुमान मंदिर और गंगा घाट का भ्रमण कराकर भारतीय संस्कृति से परिचित कराया गया। प्रबंधक लता शर्मा ने आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म वितरित की। प्रधानाचार्य पवन कुमार यादव और प्रबंधक ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। भ्रमण प्रभारी डॉ. रवि प्रकाश दुबे, संतोष कुमार पांडेय, मीनाक्षी राजपूत और ज्योति मौजूद रहे।

बिजली बिल के विवाद में खूनी संघर्ष, चाकू और पाइप से हमला, चार घायल

खुर्जा। नगर कोतवाली क्षेत्र के आबादनगर में बिजली बिल के रुपये मांगने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। आरोप है कि एक पक्ष ने युवक और उसके परिजनों पर लोहे के पाइप व चाकू से हमला कर दिया, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों को जटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता दरकशा के अनुसार, 27 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे बिजली बिल के पैसों के बहाने उसके भाई अरमान को बुलाया गया था। वहां रुपये लौटाने की बात पर विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। तहरीर में फायरिंग का आरोप भी लगाया गया है। मारपीट का वीडियो वायरल होने की बात सामने आई है। पुलिस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश कर रही है।

युवा कांग्रेस ने 'चलो दिल्ली' रैली के लिए गौरव जयराम को सौंपी जिम्मेदारी

खुर्जा। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस (पश्चिम) के प्रदेश महासचिव गौरव जयराम प्रधान भाईपुर को खुर्जा विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्हें 'चलो दिल्ली' रैली के सफल आयोजन एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौरव जयराम ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन मजबूत करने की अपील की।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे: कस्बे को जाम से निजात दिलाएगा अर्राना कांटा-बांकनेर रोड

- धान की आवक से दो महीने जाम से जूझ रहा कस्बा
- जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों ने उठाई जल्द निर्माण की मांग

■ खैर

अर्राना कांटे से नोएडा इंटरनेशनल हवाई अड्डे तक बन रहे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की धीमी रफ्तार के चलते क्षेत्र के वाशिन्दों व यहां से होकर निकलने वाले लोगों व वाहन चालकों को जाम से निजात नही मिल पा रही है। वहीं धान की बंपर आवक भी जाम का मुख्य कारण बना हुआ है। जाम के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं, मरीजों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है। ऐसे में अर्राना से बांकनेर तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। बता दें कि अर्राना कांटे से नोएडा इंटरनेशनल हवाई अड्डे तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य जारी है। इसके पूरा होने और भारी वाहनों के आवागमन शुरू होने से खैर कस्बे में यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अर्राना से बांकनेर तक के हिस्से का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करा दिया जाए तो भारी वाहनों को कस्बे के बाहर से निकाला जा सकेगा। इससे जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है।



अर्राना पर धीमी गति से होता पुल का निर्माण।

राजीव चौहान का कहना है कि यदि अर्राना से बांकनेर तक एक्सप्रेसवे का निर्माण पहले पूरा कर दिया जाए तो इस मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन शुरू हो सकता है। इससे खैर कस्बे में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी।

प्रख्यात चिकित्सक डॉ. वीडी शर्मा का कहना है कि जाम के कारण आमजन को आवागमन में परेशानी होती है। इसका असर व्यापारी वर्ग पर भी पड़ता है। उन्होंने क्षेत्रीय जनता को राहत देने के लिए अर्राना से बांकनेर तक निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है।



राजीव चौहान



डॉ. वीडी शर्मा



रानू शर्मा,



चेयरमैन संजय शर्मा

पम्प कारोबारी रानू शर्मा का कहना है कि जाम में फंसने से मरीजों को सबसे अधिक परेशानी होती है। उनके साथ मौजूद तीमारदारों के लिए भी हर मिनट भारी पड़ता है। ऐसे में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द पूरा कराया जाना खैर क्षेत्र की जनता के लिए बेहद आवश्यक है।

खैर चेयरमैन संजय शर्मा ने जल्द ही ग्रीन एक्सप्रेसवे के अधिकारियों, संबंधित विभाग तथा जिलाधिकारी से मिलकर जल्द से जल्द अर्राना से बांकनेर तक का सड़क निर्माण कार्य जल्द पूर्ण कराए जाने की बात कही है। कहा कि क्षेत्र की जनता के दुख सुख में संजय शर्मा चौबीस घंटे तत्पर है।

नुमाइश मैदान में दोबारा अतिक्रमण का आरोप ठेकों और आय-व्यय की पारदर्शिता पर सवाल

■ अलीगढ़।

नगर निगम द्वारा नुमाइश मैदान के बाहर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद अब मैदान के अंदर भी दुकानों और वाहनों की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतों के अनुसार, मैदान में कुछ दुकानें संचालित हो रही हैं। इसके अलावा टायर पंचर की दुकानें और परिवहन से जुड़े वाहन भी खड़े किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों की अनुमति और निर्धारित व्यवस्था की स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग की जा रही है।नुमाइश मैदान के संचालन और उससे जुड़े ठेकों को लेकर भी पारदर्शिता का मुद्दा सामने आया है। पक्की दुकानों के सौंदर्यीकरण, नुमाइश के आयोजन, रोडी-बदरपुर वाहनों से संबंधित ठेके और मंगल बाजार के ठेके से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक किए जाने की मांग उठ रही है।सूचना मांगने पर नुमाइश प्रशासन द्वारा मैदान को स्ववित्तपोषित संस्था बताने के आधार पर जानकारी देने से पल्ला झाड़ने का आरोप भी लगाया गया है। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि मैदान का प्रशासनिक संचालन किस व्यवस्था के तहत होता है, ठेकों से प्राप्त धनराशि किस खाते में जमा होती है और उसका उपयोग किन मदों में किया जाता है।इन सवालों का जवाब संबंधित अभिलेखों और वित्तीय विवरणों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकता है। प्रशासन से अपेक्षा है कि मैदान में संचालित दुकानों और खड़े वाहनों की अनुमति की जांच कराई जाए तथा ठेकों, आय और व्यय से संबंधित जानकारी नियमानुसार उपलब्ध कराई जाए। इससे मैदान की व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



नुमाइश मैदान के अंदर लगी दुकानें और खड़े वाहन।

- बाहर से हटाए गए अतिक्रमण के बाद मैदान के अंदर दुकानों और वाहनों के जमावड़े की एक्स पर शिकायत

दीपोत्सव पर अलग लुक में दिखाई देगा कस्बा

- मुख्य मार्गों पर लगेंगी रंग-बिरंगी झालरें
- सफाई के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति

■ खैर।

दीपावली के त्योहार को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने कस्बा में साफ-सफाई और सजावट की तैयारियां शुरू कर दी हैं। चेयरमैन संजय शर्मा ने त्योहार के दौरान बेहतर सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए सफाई नायकों की नियुक्ति की है। इसके तहत सुबह 10 बजे तक मुख्य मार्गों की विशेष सफाई सुनिश्चित कराई जाएगी, जिससे त्योहार के दौरान कस्बा के सम्मानित लोगों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

खैर चेयरमैन संजय शर्मा व ईओ निषाद मधुरमय ने बताया कि दीपावली प्रकाश का पर्व है। इसे देखते हुए नगर के प्रमुख मार्गों को रंग-बिरंगी झालरों से सजाया जाएगा। अलीगढ़-पलवल रोड, पुराना सोमना रोड और सब्जी मंडी सहित प्रमुख स्थानों पर झालरें लगाकर नगर को आकर्षक रूप दिया जाएगा। साथ ही दीपावली के दौरान सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्य मार्गों के साथ-साथ बाजारों और प्रमुख स्थानों पर सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्योहार के दौरान लोगों को आवागमन में परेशानी न हो और कस्बा स्वच्छ एवं सुंदर दिखाई दे। इस संबंध में सफाई नायकों व कर्मचारियों को विशेष तौर पर निर्देशित किया गया है। साथ ही पालिका स्टाफभी कस्बे की साफ सफाई पर विशेष तौर पर नजर रखेंगें।

मालगोदाम के ट्रकों से बरौला पुल के नीचे जाम, राहगीर परेशान



बरौला पुल के नीचे ट्रकों के कारण लगा जाम

■ अलीगढ़।

- भारी वाहनों की आवाजाही से प्रभावित होता है यातायात, जाम से निकलने में लोगों को होती है दिक्कत

बरौला पुल के नीचे मालगोदाम से माल लेकर आने-जाने वाले ट्रकों के कारण जाम की समस्या बनी रहने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क पर उनके खड़े होने से पुल के नीचे से गुजरने वाले दोपहिया, चारपहिया वाहनों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।आरोप है कि कई बार जाम की स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि लोगों को पुल के नीचे से निकलने में काफी समय लगता है। इससे रोजाना आवागमन करने वालों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।संबंधित अधिकारियों से मांग है कि बरौला पुल के नीचे यातायात व्यवस्था का निरीक्षण कर भारी वाहनों की आवाजाही और खड़े होने के लिए उचित व्यवस्था की जाए, ताकि जाम से राहत मिल सके।

परिवहन कार्यालय में 31 अक्टूबर को लगेगा मेला

अलीगढ़। संभागीय परिवहन कार्यालय परिसर में शनिवार, 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक परिवहन मेले का आयोजन किया जाएगा।

इसमें वाहन स्वामियों को परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

संभागीय परिवहन अधिकारी दीपक कुमार शाह ने बताया कि मेले में बकाया कर जमा करने, उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान नियमावली के तहत निर्धारित शर्तों पर शास्ति में छूट का लाभ लेने, नए वाहनों के पंजीकरण, फिटनेस, परमिट जारी कराने और नवीनीकरण जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

स्क्रैप वाहन के स्थान पर नए वाहन के पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।उन्होंने वाहन स्वामियों, ट्रक-बस, ऑटो-रिक्शा, टेंपो और ई-रिक्शा यूनियनों के पदाधिकारियों, वाहन विक्रेताओं तथा विद्यालय प्रबंधकों से मेले में पहुंचकर विभागीय सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

पेट्रोल पंपों पर मुफ्त हवा की सुविधा पर सवाल कई जगह निजी दुकानों पर निर्भर वाहन चालक

- आरटीओ कार्यालय के पास, कबरकुत्ता, बारहद्वारी और खैर रोड के पंपों पर सुविधाओं की जांच की मांग

■ अलीगढ़।

पेट्रोल पंपों पर ईंधन के साथ मुफ्त हवा और पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था के बावजूद शहर के कई पंपों पर इनकी उपलब्धता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कुछ पेट्रोल पंपों पर मुफ्त हवा की सुविधा बंद कर दी गई है और वाहन चालकों को टायरों में हवा भरवाने के लिए आसपास की शुल्क लेने वाली दुकानों का सहारा लेना पड़ता है। आरटीओ कार्यालय के पास, कबरकुत्ता, बारहद्वारी और खैर रोड सहित कई क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर इन सुविधाओं की स्थिति की जांच किए जाने की मांग उठ रही है। यदि निर्धारित जनसुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, तो संबंधित विभाग को इसकी पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।इस मामले में पूर्ति विभाग की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। पेट्रोल पंपों पर जनसुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ गैस वितरण, राशन की कालाबाजारी और ईंधन में घटतौली जैसी शिकायतों पर भी नियमित निगरानी जरूरी है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि इन मामलों में विभाग की ओर से कितने निरीक्षण किए जा रहे हैं और शिकायतों पर क्या कार्रवाई हो रही है।संबंधित विभाग को पेट्रोल पंपों का निरीक्षण कर मुफ्त हवा-पानी की सुविधा की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए।



आरटीओ कार्यालय के पास, कबरकुत्ता, बारहद्वारी और खैर रोड पेट्रोल पंपों के बाहर स्थित पंचर की दुकानें।

मुख्यमंत्री के आदेशों के बावजूद बन्ना देवी क्षेत्र में अतिक्रमण की भरमार

- मसूदाबाद चौराहे से सारसौल तक सड़क और फुटपाथ पर कब्जे के आरोप, थाने के सामने तक खड़े रहते हैं भारी वाहन

■ अलीगढ़।

बन्नादेवी क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। मसूदाबाद चौराहे से सारसौल तक सड़क किनारे और नगर निगम के फुटपाथों पर अतिक्रमण की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि कई स्थानों पर अतिक्रमण फुटपाथ तक सीमित नहीं है, बल्कि वाहनों के आवागमन के लिए बनी सड़क पर भी कब्जा किया जा रहा है।स्थानीय स्तर पर रोडी-बदरपुर से जुड़े भारी वाहनों के खड़े होने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जाता है कि इन वाहनों के लिए नुमाइश मैदान में खड़े होने की व्यवस्था है, लेकिन इसके बावजूद बड़े ट्रक बन्नादेवी थाने के सामने तक जीटी रोड के आधे से अधिक हिस्से को घेरकर खड़े रहते हैं। इससे यातायात प्रभावित होने और राहगीरों को परेशानी होने की आशंका बनी रहती है।मुख्यमंत्री के अतिक्रमण हटाने संबंधी निर्देशों के बीच क्षेत्र में दिखाई दे रही इस स्थिति पर संबंधित विभागों की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना यह है कि नगर निगम, यातायात पुलिस और संबंधित अधिकारी सड़क व फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए क्या कदम उठाते हैं।



बन्नादेवी थाने के सामने खड़े भारी वाहन।

खाई में पलटा ई- रिक्शा, महिला और छात्रा की मौत

शिकारपुर। तहसील क्षेत्र के गांव ताल विवयाना के पास अनियंत्रित ई रिक्शा खाई में पलट गया, जिसमें एक महिला और छात्रा की मौत हो गई जबकि चालक और एक अन्य युवती घायल हो गए। ई-रिक्शा में सवार तीन महिलाएं अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर की तरफ लौट रही थीं। गांव ताल विवियाना के पास ई रिक्शा चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वह खाई में पलट गया। हादसे में अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव दौंका निवासी बीएससी की छात्रा ज्योति (20 वर्ष) पुत्री भानु प्रताप, जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के गांव कत्यावली निवासी रीना (40 वर्ष) पत्नी पंकज और ज्योति की बहन खुशबू के साथ-साथ चालक घायल हो गए। पुलिस ने चारों घायलों को उपचार हेतु अनूपशहर अस्पताल भेज दिया, जहां उपचार के दौरान रीना की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुई ज्योति को उपचार हेतु हापुड़ अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। मृतका ज्योति के चाचा राकेश कुमार ने ई रिक्शा चालक के खिलाफ अहमदगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

गांधी नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट का निर्वाचन 20 दिसंबर को

अलीगढ़। गांधी नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट की कार्यकारिणी समिति की बैठक गुरुवार को जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में हुई। इसमें मरीजों के उपचार, नेत्र शल्य चिकित्सा, चिकित्सकीय प्रशिक्षण, आय-व्यय और ट्रस्ट के निर्वाचन पर चर्चा की गई।सीएमओ डॉ. अजय कुमार सक्सेना ने बताया कि चिकित्सालय में चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ ऑप्टोमेट्री पाठ्यक्रम और नेत्र चिकित्सा की विशेष प्रशिक्षण सुविधाएं संचालित हैं। मरीजों को आयुष्मान भारत योजना के तहत भी उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

करवा चौथ का व्रत रख महिलाओं ने की पति की दीर्घायु की कामना

■ खैर।

महिलाओं ने गुरूवार को करवा चौथ का व्रत रख पति की दीर्घायु होने की कामना की। दिन में करवा की कथा सुनी और रात में चंद्रमा को जल अर्पण कर पूजा-अर्चना की। पति के दीर्घायु होने की कामना की। नई सुहागिन बनी महिलाओं ने भी इस व्रत को रख पति की लंबी उम्र होने की कामना की।

महिलाओं ने बताया कि हिन्दू स्त्रियों के लिए करवा चौथ का व्रत अखंड सुहाग देने वाला माना जाता है। विवाहित स्त्रियां इस दिन अपने पति की दीर्घायु एवं स्वास्थ्य की मंगल कामना करती हैं। रात को चंद्रमा को अर्घ्य अर्पित कर व्रत को पूर्ण करती हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां पूर्ण श्रृंगार करके दिनभर के व्रत के बाद रात को चन्द्रमा के समक्ष यह प्रण लेती हैं कि वे मन, वचन और कर्म से पति के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना रखेंगी। जहां व्रतियों ने चलनी में पति का चेहरा देखा, वहीं पति ने पानी पिलाकर व्रत तोड़वाया। इस दिन मिठाईयों की दुकान पर लोगों भारी भीड देखी गई।

सुभाषितम्

अश्वस्य भूषणं वेगो मत्तं स्याद गजभूषणम्।
चातुर्यं भूषणं नार्या उद्योगो नरभूषणम्॥

तेज चाल घोड़े का आभूषण है, मत्त चाल हाथी का आभूषण है, चातुर्य नारी का आभूषण है और उद्योग में लगे रहना नर का आभूषण है।

संपादकीय

जौहर विश्वविद्यालय की 426 करोड़ की संपत्ति कुर्क, शिक्षा संस्थानों पर सवाल

जब शिक्षा के मंदिर पर आर्थिक अनियमितताओं के आरोप लगते हैं, तो नुकसान केवल संपत्ति का नहीं, बल्कि समाज के विश्वास का भी होता है। जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुर्क किए जाने की खबर ने एक बार फिर शिक्षा संस्थानों की कार्यप्रणाली, वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विश्वविद्यालय जैसे संस्थान किसी भी समाज के बौद्धिक विकास की नींव होते हैं। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे ज्ञान, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रतीक बनेंगे। लेकिन जब किसी शिक्षण संस्थान की संपत्ति जांच एजेंसी की कार्रवाई के दायरे में आती है, तो यह केवल कानूनी मामला नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक विश्वास से जुड़ा विषय भी बन जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिक्षा के नाम पर स्थापित संस्थानों में वित्तीय लेन-देन और संपत्ति के स्रोतों की निगरानी कितनी प्रभावी है? यदि किसी संस्थान के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो उनकी निष्पक्ष और समयबद्ध जांच होनी चाहिए। आखिरकार, शिक्षा संस्थान जनता, विद्यार्थियों और समाज के भरोसे पर ही अपनी प्रतिष्ठा कायम करते हैं। इस भरोसे को कमजोर करने वाली किसी भी गतिविधि को हल्के में नहीं लिया जा सकता। 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क होने का मामला इस बात की याद दिलाता है कि बड़े संस्थानों को भी कानून और जवाबदेही से ऊपर नहीं माना जा सकता। किसी विश्वविद्यालय की पहचान केवल उसकी इमारतों, जमीन या सुविधाओं से नहीं होती, बल्कि उसकी पारदर्शिता, शैक्षणिक गुणवत्ता और नैतिक आचरण से होती है। यदि वित्तीय मामलों में संदेह पैदा होता है, तो उसका असर विद्यार्थियों, शिक्षकों और संस्थान की सामाजिक साख पर भी पड़ सकता है। हालांकि, संपत्ति कुर्क किया जाना अपने आप में अंतिम न्यायिक दोषसिद्धि नहीं है। आरोपों की सच्चाई का निर्धारण जांच, उपलब्ध साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच के नाम पर मामला वर्षों तक लंबित न रहे और जनता को तथ्यों से अवगत कराया जाए। कानून का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाना और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। अंतत:, जौहर विश्वविद्यालय से जुड़ा यह मामला एक व्यापक संदेश देता है-शिक्षा के नाम पर चलने वाले किसी भी संस्थान को वित्तीय पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही के मानकों पर खरा उतरना चाहिए। यदि कहीं अनियमितता सिद्ध होती है, तो जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए; और यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो संबंधित पक्ष को न्याय भी मिलना चाहिए। जौहर यूनिवर्सिटी पर हुई यह कार्रवाई एक बार फिर इस बहस को जन्म देती है कि क्या राजनीतिक विरोध और कानूनी जांच की रेखाएं आपस में धुंधली हो रही हैं? यह बेहद आवश्यक है कि इस मामले की जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, साक्ष्य-आधारित और न्यायालय की देखरेख में आगे बढ़े, ताकि कानून अपना काम करे और शिक्षा का यह केंद्र अनावश्यक राजनीति की भेंट न चढ़े।

पाती

चुनावी नतीजे और कांग्रेस की चुनौती

विधान परिषद की 28 सीटों के नतीजे कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का संकेत हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा की बढ़त, बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का प्रदर्शन और कर्नाटक में भाजपा-जद(एस) गठबंधन की सभी सीटों पर जीत बताती है कि क्षेत्रीय समीकरणों और संगठनात्मक ताकत का चुनाव में कितना महत्व है। दूसरी ओर, कांग्रेस का कई राज्यों में खाता तक नहीं खुलना उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तंज राजनीतिक कटाक्ष का हिस्सा हो सकता है, लेकिन कांग्रेस की वास्तविक चुनौती विपक्षी दलों की टिप्पणियों से कहीं बड़ी है। उसे अपनी रणनीति, नेतृत्व, स्थानीय संगठन और जनसंपर्क की समीक्षा करनी होगी। केवल सत्तारूढ़ दलों की आलोचना से राजनीतिक जमीन मजबूत नहीं होती, उसके लिए जनता का विश्वास अर्जित करना पड़ता है। लोकतंत्र में हर चुनाव परिणाम राजनीतिक दलों को संदेश देता है। कांग्रेस यदि इस संदेश को समझकर सुधार करती है, तभी वह अपनी खोई हुई राजनीतिक विश्वसनीयता पुनः प्राप्त कर सकेगी।

■ अशोक पाराशर

आज का इतिहास

- 1883 : आर्य समाज के संस्थापक और समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का निधन हुआ। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों का विरोध करते हुए वेदों की ओर लौटने का आह्वान किया।
- 1909 : प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक होमी जहांगीर भाभा का जन्म हुआ।
- 1945 : भारत संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना। उस समय भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और उसे ब्रिटिश भारत के रूप में संगठन की सदस्यता प्राप्त हुई थी।
- 1956 : नई दिल्ली में अशोक होटल का उद्घाटन हुआ। यह भारत के शुरुआती और प्रमुख पांच सितारा होटलों में शामिल था।
- 2008 : असम की राजधानी गुवाहाटी सहित राज्य के कई स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए। कोकराझार, गुवाहाटी, बोंगाईगांव और बरपेटा में हुए इन विस्फोटों में 66 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। इस घटना ने देश को गहरे सदमे में डाल दिया।
- 1485 : हेनरी ट्यूडर इंग्लैंड के राजा बने। हेनरी सप्तम के नाम से प्रसिद्ध उन्होंने ट्यूडर राजवंश की स्थापना की।
- 1611 : गुस्टाव द्वितीय एडॉल्फ स्वीडन के राजा बने।
- 1922 : बेनिटो मुसोलिनी ने इटली में सरकार का गठन किया। इसके साथ ही देश में फासीवादी शासन की शुरुआत हुई।
- 1930 : तुर्की और यूनान ने मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1960 : ब्रिटेन में पहला सफल मानव गुर्दा प्रत्यारोपण किए जाने की घटना चिकित्सा इतिहास में महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पेरिस से रोम तक : सुलगता यूरोप..!

पेरिस के बाहरी इलाकों से लेकर रोम की प्राचीन गलियों तक..! और अब बाल्कन देशों तक..! 2025-26 ने यूरोप को एक नई हकीकत से रू-ब-रू कर दिया है। हिंसा अब उसकी सीमाओं पर नहीं है। हिंसा अब उसकी अपनी सड़कों के भीतर रोज की सुर्खी बन चुकी है।



■ प्रो. डॉ. मनोज दयाल

दशकों तक यूरोप ने खुद को दुनिया के सामने एक 'हिंसा-मुक्त महाद्वीप' के तौर पर पेश किया है। जहां युद्ध इतिहास बन चुके हैं..! सड़कें सुरक्षित हैं ..! और सामाजिक शांति एक स्थायी सच्चाई है..! पर यह तस्वीर अब दरक रही है।

पेरिस के बाहरी इलाकों से लेकर रोम की प्राचीन गलियों तक..! और अब बाल्कन देशों तक..! 2025-26 ने यूरोप को एक नई हकीकत से रू-ब-रू कर दिया है। हिंसा अब उसकी सीमाओं पर नहीं है। हिंसा अब उसकी अपनी सड़कों के भीतर रोज की सुर्खी बन चुकी है।

फ्रांस में अब गुस्से का सैलाब उमड़ पड़ा है। गिरफ्तारी का आंकड़ा हजार के पार पहुंच चुका है। फ्रांस इस बेचैनी का सबसे बड़ा उदाहरण है। और इस साल का पैमाना अभूतपूर्व रहा। गृह मंत्रालय के अनुसार 18 सितंबर को देश भर में हुए एक समन्वित आंदोलन में 40 हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे। पेरिस, ल्यों, मार्सेल और नांत में भी। महंगाई, पेंशन सुधार और सरकारी खर्च में कटौती के खिलाफ शुरू हुआ यह प्रदर्शन शाम होते-होते हिंसक झड़प में बदल गया।

रात तक लगभग 1000 लोगों को गिरफ्तार किया गया..! 200 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए..! पेरिस के बास्तील इलाके में बैरिकेड्स जलाए गए। बस स्टॉप तोड़े गए। और दंगा-रोधी पुलिस के साथ सीधी भिड़ंत हुई। सरकार ने इसे कानून-व्यवस्था का पतन कहा। वहीं ट्रेड यूनियनों ने इसे जनता की हताशा का विस्फोट। यह फ्रांस की दोहरी हकीकत है। एक तरफ वेतन और महंगाई को लेकर जायज गुस्सा। दूसरी तरफ शहरों में संगठित नार्को-गैंग। मार्सेल और ग्रेनोबल में नशे के सौदागरों ने कई मोहल्लों को नो-गो जोन बना दिया है, जहां 25 साल से कम उम्र के लड़के असॉल्ट राइफल लेकर घूमते हैं।

उधर इटली में तो खामोश बढ़त अब शोर बन रही है। इटली लंबे समय तक उत्तरी पड़ोसियों के मुकाबले सुरक्षित माना जाता रहा है। पर आंकड़े अब तेजी से बदल रहे हैं। उत्तर में पुलिसिंग का तरीका ही बदल गया है। मिलान में पुलिस ने निवारक उपाय के तौर पर कई नाबालिगों को हिरासत में लिया। एक ऐसा कदम जिसने शहर को चौंका दिया। अधिकारियों के अनुसार खुफिया जानकारी थी कि ये नाबालिग प्रदर्शन में चाकू, लोहे की रॉड और पेट्रोल बम ले जाने की योजना में थे। मानवाधिकार संगठनों ने इसे सख्ती बताया। दूसरी ओर प्रशासन ने इसे हिंसा रोकने के लिए जरूरी बताया। यह दिखाता है कि विरोध की भीड़ अब कितनी युवा हो रही है- 15 से 17 साल के किशोर, जो टिकटॉक और टेलीग्राम पर लामबंद होते हैं।



आईएसटीएटी के अनुसार मिलान, ट्यूरिन और नेपल्स में पिछले दो साल में गंभीर हमले, लूट और यौन हिंसा में 8 से 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण में कैमोरा और 'नद्रंगेटा माफिया' अब ड्रग्स और निर्माण ठेकों के लिए ज्यादा खूनी जंग लड़ रहे हैं।

दूसरी ओर, रोम में गुस्सा के फब्बारे फूट पड़ें हैं। रोम इस विरोधाभास का सबसे सजीव प्रतीक है। 2025 में दो करोड़ से अधिक पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब अपनी ही धरोहर को अपने ही गुस्से से बचाने में जूझ रहा है।

पिछले हफ्ते देशव्यापी अशांति के दौरान प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की। बैरिकेड्स फांदे। और मुख्य द्वार पर सुरक्षाबलों से भिड़ गए। यह घटना संक्षिप्त थी।पर प्रतीकात्मक..! प्राचीन मेहराबों के सामने काले हुड पहने युवाओं के पुलिस से धक्का-मुक्की का वीडियो पूरे इटली में वायरल हो गया है। अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शनकारी इस स्मारक को अपनी दृश्यता के मंच के तौर पर इस्तेमाल करना चाहते थे। रोमवासियों के लिए यह एक लक्ष्मण रेखा थी। जब असहमति धरोहर को निशाना बनाए, तो वह सिर्फ विरोध नहीं रह जाता।

टर्मिनी स्टेशन, ट्रास्टेवेरे और एस्क्विलिनो के आसपास जेबकतरी, लूटपाट अब आम हो चुकी है, जबकि बाहरी इलाकों - टोर बेला मोनाका, सेंटोसेले में नशे का कारोबार और अवैध कब्जों को लेकर झड़पें रोजमर्रा की बात हैं।

उधर बाल्कन की गूंज : अल्बानिया का क्या कहना..! अशांति सिर्फ पश्चिमी यूरोप तक सीमित नहीं। तिराना, अल्बानिया में भ्रष्टाचार, न्यायिक देरी और महंगाई के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतरे। जब प्रदर्शनकारियों का एक हिस्सा सरकारी इमारतों की ओर बढ़ा तो स्थिति बिगड़ गई। अल्बानिया की दंगा पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की बड़ी भीड़ पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया ताकि उन्हें स्केंडरबेग स्क्वायर से हटाया जा सके। दर्जनों घायल हुए, और यूरोपीय संघ में शामिल होने की आकांक्षा रखने वाली एक राजधानी में वाटर कैनन की तस्वीरों ने ब्रसेल्स में लोकतांत्रिक पुलिसिंग पर असहज सवाल खड़े कर दिए।

अब यूरोप का पैटर्न बदलने लगा है। पेरिस, मिलान, रोम और तिराना को जोड़ने वाले सिर्फ अपराध के आंकड़े नहीं है। बल्कि तीन गहरी धाराएं हैं। पहला, गुस्से का अर्थशास्त्र..! महंगाई भले थमी हो..! पर मकान और ऊर्जा की कीमतें आज भी युवा यूरोपीय की पहुंच से बाहर हैं। दूसरा, डिजिटल चिंगारी - टेलीग्राम के ड्रग बाजार से लेकर स्नैपचैट पर दंगों के आह्वान तक, हिंसा पुलिस से तेज लामबंद होती है। फ्रांसीसी खुफिया एजेंसियों के अनुसार हाल के अधिकांश दंगे दो घंटे के भीतर ऑनलाइन संगठित हुए। तीसरा, दृश्यता का जाल - प्रदर्शनकारी अब कैमरे चाहते हैं। कोलोसियम में घुसने की कोशिश हो या तिराना में वाटर कैनन का सामना - ये तस्वीरें वैश्विक कवरेज की गारंटी देती हैं।

यूरोप आज भी दुनिया के सबसे सुरक्षित महाद्वीपों में से एक है। पर वह कम अनुमान-योग्य होता जा रहा है। पुरानी हिंसा देशों के बीच थी। नई हिंसा सड़कों के भीतर है - एक राज्य और उसकी अपनी सड़कों के बीच। और पेरिस से लेकर रोम तक प्रयोग एक ही हो रहा है - ज्यादा दिखावा नहीं, ज्यादा नजदीकी - ज्यादा कम्युनिटी पुलिस, युवाओं के लिए ज्यादा रोजगार, और राष्ट्रीय बयानबाजी से ज्यादा स्थानीय संवाद।

अतः यूरोप को सख्ती से ज्यादा सहभागिता चाहिए। युवाओं के लिए सस्ते आवासचाहिए। यूरोप को सख्ती से ज्यादा सहभागिता चाहिए। रोजगार और कौशल योजना चाहिए। कम्युनिटी पुलिसिंग चाहिए। नशा-गिरोहों पर डिजिटल निगरानी चाहिए। स्कूलों में मीडिया-साक्षरता चाहिए। और प्रदर्शन की स्वतंत्रता के साथ धरोहरों की सुरक्षा का संतुलन ही हिंसा का स्थायी समाधान है।

(लेखक कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय,रायपुर के कुलगुरु हैं)

लूला- गांधी के मुरीद, भारत के मित्र

यह बात 4 जून, 2007 की है। उस दिन नई दिल्ली की मुख्य सड़कों पर सुबह ट्रैफिक बढ़ना शुरू ही हुआ था कि पुलिस ने यातायात रोक दिया। पूछने पर पता चला कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा राजघाट पहुंच रहे हैं। उम्मीद थी कि लूला राजघाट में 10 मिनट रुकने के बाद वापस चले जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे वहां करीब आधा घंटे तक रहे।



■ विवेक शुक्ला

गांधी समाधि पर फूल चढ़ाने के बाद वे अपने स्वागत के लिए मौजूद राजघाट के कर्मचारियों से गांधी जी के जीवन और संघर्षों के बारे में सवाल पर सवाल करने लगे। राजघाट से विदा होने से पहले उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा कि वे शांति के दूत महात्मा गांधी की समाधि पर आकर खुद को बेहतर महसूस कर रहे हैं और गांधी जी के जीवन का उन पर गहरा प्रभाव रहा है।

लूला एक बार फिर अपने देश के राष्ट्रपति चुने गए हैं। वे उन नेताओं में शामिल हैं, जिनका भारत से रिश्ता केवल कूटनीतिक मुलाकातों तक सीमित नहीं रहा। वे कई बार भारत आए हैं और हर यात्रा के साथ दोनों देशों की दोस्ती में कुछ नया जुड़ा है।

लूला कभी भारत में गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि बनकर आए, कभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए और कभी दुनिया के बड़े नेताओं के साथ बैठकर वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने।

लूला की भारत की पहली राष्ट्रपति-स्तरीय यात्रा जनवरी 2004 में हुई। उस समय वे ब्राजील के राष्ट्रपति थे और भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। यह सम्मान अपने आप में काफी मायने रखता था। भारत आमतौर पर ऐसे देशों के नेताओं को यह अवसर देता है, जिनके साथ वह मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते बनाना चाहता है।

लूला का 2004 का भारत दौरा इस मायने में भी खास था कि उनके साथ ब्राजील के 100 प्रमुख कारोबारी आए थे। वे 78 अलग-अलग कंपनियों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। लूला भारत और ब्राजील के बीच आपसी व्यापार को गति देने के हमेशा हिमायती रहे।



दोनों देशों के बीच कृषि, खनन, ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संचार और रक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग होता रहा है। दोनों ब्रिक्स समूह के सदस्य भी हैं।

मजदूरों और गरीबों के हितैषी

जन धड़कन से जुड़े लूला जब भी भारत आए, उन्होंने भारतीय नेताओं, कारोबारियों और आम लोगों को अपने व्यवहार और ज्ञान से प्रभावित किया। वे सबसे मित्रवत भाव से मिलना पसंद करते रहे। राजघाट में उन्होंने वहां काम करने वाले कर्मचारियों से भी हाथ मिलाया था।

लूला ने गरीबी को करीब से देखा है। जीवनयापन के लिए उन्होंने जूते पॉलिश करने का काम भी किया। यही वजह है कि उनकी सोच हमेशा गरीबों और वंचितों के पक्ष में रही है। लूला उन विश्व नेताओं में शामिल रहे हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट देने का पुरजोर समर्थन किया।

लूला को वर्ष 2012 में शांति और निरस्त्रीकरण के लिए इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उस समय वे ब्राजील के राष्ट्रपति नहीं थे। ब्राजील में गरीबी उन्मूलन और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया।

लूला को सम्मानित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा था कि लूला के प्रयासों के दम पर ही उनके देश के दो करोड़ लोग गरीबी के दलदल से बाहर निकल सके।

लूला ने सामाजिक कल्याण और गरीबों के जीवन में सुधार को अपनी राजनीति का अहम हिस्सा बनाया। शायद यही वजह थी कि भारत में भी उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में बनी, जो विकास के साथ सामाजिक न्याय की बात करता है।

वैश्विक मंच पर समान सोच

लूला और भारत के बीच एक स्वाभाविक समानता भी है। दोनों चाहते हैं कि दुनिया के बड़े फैसले केवल कुछ ताकतवर देश न करें, बल्कि विकासशील देशों को भी उनमें बराबर की आवाज मिले।

ब्राजील लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी का असर सिर्फ इन दो देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

रिश्तों का नया अध्याय

लूला इस साल 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आए और इंडिया AI इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए। उनके साथ ब्राजील का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आया, जिसमें 11 मंत्री और करीब 300 कारोबारी प्रतिनिधि शामिल थे। यह यात्रा भारत और ब्राजील के संबंधों को नई दिशा देने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, व्यापार, तकनीक और विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही।

इस बीच, लूला को पता ही होगा कि भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रेमी ब्राजील की फुटबॉल टीम और उसके सितारों को चीयर करते रहे हैं। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों की ब्राजील को लेकर निष्ठा शुरू से रही है। हालांकि लैटिन अमेरिकी स्पेनिश भाषी ब्राजील देश भारत से हजारों किलोमीटर दूर है, पर हमारे फुटबॉल प्रेमी ब्राजील में ही भारत की छाप को देखते हैं।

ये तो माना ही जा सकता है कि लूला भविष्य में भी भारत आएंगे। वे जब भी आएं तो राजधानी के पृथ्वीराज रोड की यार्क क्रिश्चन सिमिटरी में भी जाने का वक्त निकाल लें। यहां पर एक सांकेतिक कब्र है 14 जून, 1972 को राजधानी में जापान एयरलाइंस के विमान हादसे में मारे गए 82 अभागे यात्रियों की। मृतकों में ब्राजील, ब्रिटेन, जापान और अमेरिका के कई नागरिक थे। इस कब्र की दशा को देखकर निराशा होती है। इधर कोई हादसे की बरसी पर भी फूल चढ़ाने भी नहीं आता। लूला इस सांकेतिक कब्र पर आकर मृतकों को श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

(लेखक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के पूर्व सलाहकार हैं)

प्रम्बानन मंदिर : भारतीय संस्कृति की वैश्विक विरासत



इंडोनेशिया का प्रम्बानन मंदिर हिंदू स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण और देश का सबसे विशाल एवं भव्य हिंदू मंदिर परिसर है। इसकी स्थापना का सटीक समय और निर्माता निश्चित नहीं हैं, किंतु इतिहासकारों के अनुसार, नौवीं शताब्दी के मध्य में संजय राजवंश के राजा बलितुंग महा संबू ने इसका निर्माण कराया था। भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित यह मंदिर परिसर भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और स्थापत्य वैभव की गौरवशाली विरासत को दर्शाता है। इसकी कलात्मक भव्यता और ऐतिहासिक महत्व इसे विश्व सांस्कृतिक धरोहर का विशिष्ट स्थल बनाते हैं।

सोशल मीडिया से ... X

- सिखों के कत्लेआम की बरसी पर कांग्रेस की रैली, बेशर्मी की पराकाष्ठा! 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा में हजारों निर्दोषों की जान गई। घर जलाए गए, गुरुद्वारों को निशाना बनाया गया और अनगिनत परिवारों की दुनिया उजड़ गई। जिस तारीख ने सिख समुदाय को कभी न भरने वाले ज़ख्म दिए, उसी दिन कांग्रेस रैली करके आखिर क्या संदेश देना चाहती है? क्या हजारों निर्दोषों की मौत और पीड़ित परिवारों का दर्द इतना मामूली है कि उसे सियासी आयोजनों के बीच भुला दिया जाए?

■ विनोद तावड़े, महासचिव भाजपा

- हुआ मेरे धर्म पर घात तो, प्रतिघात करूँगा, हिंदू हूँ, हिंदुत्व की बात करूँगा।

■ अनुराग ठाकुर, सांसद

- हम 40 साल तक विपक्ष में रहे हैं, कांग्रेस को हमसे ट्यूशन ले लेनी चाहिए। आज विपक्ष के रूप में कांग्रेस का प्रदर्शन और खड़गे जी की भाषा बेहद निराशाजनक है। शर्म की बात है कि कांग्रेस अध्यक्ष के बयान को पार्टी सही ठहरा रही है। आखिर कांग्रेस कहां पहुंच गई है?

■ जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ''इंडिपेंडेंट भारत'' स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक जगदीश शर्मा, शर्मा प्रिन्टिग प्रेस रामपुर बगहा पो0 लक्ष्मीगंज जनपद कुशीनगर उ0 प्र0 274306 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
मोबाईल न0-90261 11001 संपादक जगदीश शर्मा प्रबंध संपादक मयंक कुमार सिंह Title code-UPHIN49987 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर होगा।

टाइम वेस्ट करने से बचती हैं

संजीदा

इंटरनैट मीडिया कलाकारों के लिए अहम जगह बनती जा रही है। बीते दिनों इंस्टाग्राम से दूर रहने वाले अभिनेता सैफ अली खान भी उस पर आ गए हैं। हालांकि, कलाकार इस पर रहने की जरूरत और यहां पर बिताने वाले समय के बीच संतुलन बनाकर चलते हैं। इनमें इस साल इक्का और धमाल 4 फिल्मों में नजर आईं अभिनेत्री संजीदा शेख भी शामिल हैं। वह इंटरनैट मीडिया पर सक्रिय हैं, लेकिन सोच समझकर अपना वक्त खर्च करती हैं।

टाइम वेस्ट करने से बचती हैं संजीदा

वह कहती हैं कि इंटरनेट मीडिया को अनदेखा नहीं किया जा सकता है, हालांकि मेरा प्रयास होता है कि मैं इस पर कम दिखूं, जिससे जीवन में शांति बनी रहे। इसके लिए खुद पर काम करना होता है, क्योंकि यह करना आसान नहीं होता है। जैसे ही हमारे हाथों में फोन आता है, तो हम सबसे पहले इंस्टाग्राम खोलते हैं। ऐसे में लगातार कोशिश करनी होती है कि खुद उस



पर कम समय के लिए रखें। मैं तो टाइमर लगा देती हूं।

ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं संजीदा?

इंटरनैट मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग, बाडी शेमिंग और नकारात्मकता को संजीदा कैसे संभालती हैं? इसे लेकर संजीदा शेख आगे कहती हैं कि मैं इंटरनैट मीडिया को केवल अपने मनोरंजन की तरह देखती हूं। निगेटिविटी तो हैं, उसे जितना हो सके नजरअंदाज करें। मैं तो मां भी हूं, ऐसे में मेरे पास वक्त कम ही होता है। मेरा सीधा सा फार्मूला है, मैं अपने सैट पर जाकर काम करती हूं। सहकलाकारों के साथ मजे से काम करती हूं। जब घर आती हूं, तो वहां से खुद को बिल्कुल अलग कर देती हूं।

परिवार ही आपका सब कुछ होता है। मुझे वैसे भी बहुत ज्यादा दिखना पसंद नहीं है। पार्टी में जाना, सोशलाइज करना वो सब नहीं हो पाता है। काम के बाद मेरा ज्यादा वक्त मेरी बेटी के साथ बीतता है। आजकल के बच्चे भी तो इतने तेज हैं कि उनके सवालों के जवाब देते-देते ही मेरी ऊर्जा खत्म हो जाती है। मैंने आज तक अपनी बेटी के लिए कोई केयरटेकर नहीं रखा है। मुझे लगता है कि सब कुछ मुझे ही उनके लिए करना है।

संजीदा शेख की जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट

आगे अपने जीवन के टर्निंग प्वाइंट के बारे में बात करते हुए संजीदा कहती हैं कि मेरे करियर का अहम मोड़ वही था कि मैं किसी जॉनर में नहीं बंधी। फिल्मकार इस बात को समझ रहे हैं कि मैं धमाल 4 भी कर सकती हूं, इक्का भी और हीरामंडीः द डायमंड बाजार जैसा भारी भरकम शो भी।

मैं यह नहीं कह रही हूं कि मुझे सब आ गया है, मैं खुद को और बेहतर बनाने में लगी हुई हूं। मेरे लिए टर्निंग प्वाइंट वही था, जब मैंने तय किया था कि मुझे किसी एक श्रेणी या जॉनर में बंध कर नहीं रहना है। मैंने वह सोच लोगों में आने ही नहीं दी कि यह हीरामंडी कर रही है, तो उसी तरह का किरदार आगे भी करेगी।

सीएम विजय मेरे लिए 'लकी चार्म'

सामंथा रुथ प्रभु

अभिनेता सी जोसेफ विजय आज तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने अपने करियर के बीच फिल्मों को अलविदा कह दिया था। उनकी सह-कलाकार सामंथा रुथ प्रभु ने उनकी खूब तारीफ की है। अभिनेत्री आजकल 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को होस्ट कर रही हैं। जब उनसे उनके पसंदीदा साथी कलाकार के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने विजय को अपना 'लकी चार्म' बताया और उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ की।

सामंथा ने सीएम विजय को बताया लकी चार्म

शो के अपकमिंग एपिसोड में जब 'हीरो बनाम विलेन' चैलेंज के दौरान आरजे विजय ने सामंथा से पूछा कि उनका पसंदीदा स्टार कौन है, तो उन्होंने कहा कि विजय के प्रति उनकी पसंद के बारे में तो सभी जानते हैं। उन्होंने कहा, 'वह मेरे लकी चार्म हैं। मैंने उनके साथ तीन सुपरहिट फिल्मों में काम किया है।' उन्होंने 'कत्थी' (2014), 'थेरी' (2016) और 'मर्सल' (2017) का जिक्र किया। ये तीनों फिल्में कमर्शियल रूप से बेहद सफल रहीं। दुनिया भर में इन फिल्मों ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। 'मर्सल' ने 250 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलैक्शन किया था।

सामंथा ने की सीएम विजय की तारीफ

सामंथा ने विजय के राजनीतिक सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि एक इंसान के तौर पर विजय सबके लिए प्रेरणा हैं। सामंथा ने कहा, 'करोड़ों फैंस होने के बावजूद उन्होंने एक नेता बनने और शासन की जिम्मेदारी संभालने का रास्ता चुना। वह शांत रहते हैं, अपने लक्ष्य पर फोकस



रखते हैं और परदे के पीछे रहकर बहुत कड़ी मेहनत करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अपने करियर के पीक पर सिनेमा को छोड़कर राजनीति में आना कोई आसान फैसला नहीं है।' हालांकि, सामंथा ने कहा कि विजय ने बिल्कुल सही समय पर राजनीति में कदम रखा है।

नए प्रोजैक्ट के लिए उत्साहित

निमृत कौर

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजैक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है।



एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजैक्ट को लेकर निमृत ने कहा, "मैं इस नए प्रोजैक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूं। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूं, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूं और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूं।" उन्होंने आगे कहा, "हर प्रोजैक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूं। फिलहाल मैं इस प्रोजैक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूं कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।" सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजैक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची हैं। हालांकि, इस प्रोजैक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजैक्ट को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। सभी को इसकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। निमृत के करीबी एक सूत्र ने बताया, "निमृत अपने अगले प्रोजैक्ट को लेकर काफी फोकस्ड हैं। वह लगातार वर्कशॉप के साथ-साथ अपने किरदारों की तैयारी में भी जुटी हुई थीं। फिलहाल प्रोजैक्ट से जुड़ी जानकारियां सामने नहीं आई हैं। सही समय आने पर इसकी घोषणा की जाएगी।"

आदित्य और तारा

पहली बार साथ दिखेंगे



लंबे समय से इस तरह की खबर आ रही थी कि आदित्य रॉय कपूर बहुत जल्द मिलाप जवेरी के साथ उनकी अगली फिल्म में काम कर रहे हैं।

हालांकि लीडिंग एक्ट्रेस की खोज जारी थी और अब मेकर्स फैंस के लिए तगड़ा प्लान बनाकर बैठे हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मेकर्स ने तारा सुतारिया को फिल्म के लिए फाइनल कर लिया है। ये एक म्यूजिकल और इंटेंस रोमांटिक मूवी होगी जिसका अभी के लिए 'तुम ही आना' नाम रखा गया है।



क्या है मूवी का नाम?

'तुम ही आना' नाम निर्देशक मिलाप मिलन जवेरी की 2019 की फिल्म 'मरजावां' के उसी नाम वाले सुपरहिट रोमांटिक गाने से लिया गया है। इसमें तारा सुतारिया भी थीं।

इस मूवी के जरिए आदित्य और तारा पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। भूषण कुमार द्वारा प्रोड्यूस की जा रही इस फिल्म को एक रॉ, पैशनेट और हाई-ऑक्टेन लव स्टोरी बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

पहले इन फिल्मों में किया है काम

भूषण कुमार की टी-सीरीज इसे ग्रैंड स्केल पर प्रोड्यूस करने का प्लान कर रही है। शिव चनाना इसके को-प्रोड्यूसर हैं। यह तारा का टी-सीरीज के साथ तीसरा कोलैबोरेशन है। इससे पहले वो 'मरजावां' और 'एक विलेन रिटर्न्स' में नजर आ चुकी हैं। 'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी हिट फिल्मों के बाद, प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपना बेहद सफल ट्रैक रिकॉर्ड कायम रखा है।

बता दें कि मार्च 2026 में इस तरह की खबरें आई थीं कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इस पर ऑफिशियली कुछ नहीं बोला है। ऐसे में अगर ये जोड़ी किसी फिल्म में साथ आती है तो फैंस के लिए ये किसी गुड न्यूज से कम नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना से ऑस्ट्रेलिया के लिए जीआई-टैग प्राप्त तंदूर तूर दाल का निर्यात



नई दिल्ली। जीआई-टैग प्राप्त 'तंदूर तूर दाल' की पहली निर्यात खेप को तेलंगाना से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना कर दिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 2.5 टन की यह पहली निर्यात खेप तेलंगाना की इस विशिष्ट दाल का अनूठा स्वाद ऑस्ट्रेलियाई घरों तक पहुंचाएगी। श्री गोयल ने कहा, 'भारत के जीआई उत्पाद दुनिया का दिल जीत रहे हैं। हमारे किसान और निर्यातक भारत के प्रामाणिक कृषि उत्पादों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग का प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ उठा रहे हैं।'

बीवायडी जल्द लॉन्च करेगी अपने लग्जरी ब्रांड डेंजा को



नई दिल्ली। भारत में बीवायडी कंपनी अपने लग्जरी ब्रांड डेंजा को लॉन्च करने जा रही है। भारतीय बाजार में डेंजा की आधिकारिक शुरुआत 13 नवंबर 2026 को होगी। शुरुआती दौर में डेंजा की ओर से दो लग्जरी इलेक्ट्रिक मॉडल पेश किए जाने की उम्मीद है, जिनमें झेड9 जीटी और डी 9 शामिल हैं। इनकी कीमतें बीवायडी के मौजूदा मॉडल्स से काफी अधिक होंगी। डेंजा झेड जीटी कंपनी का प्रमुख मॉडल होगा, जिसे एक आकर्षक डिजाइन वाली शूटिंग ब्रेक कार के रूप में तैयार किया गया है। भारतीय बाजार में इसकी संभावित कीमत 1.20 करोड़ से 1.50 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। झेड 9 जीटी में 122.5 किलोवाट-घंटे की बैटरी और तीन मोटर वाला इलेक्ट्रिक सिस्टम दिया गया है, जो कुल 1,156 हॉर्सपावर की ताकत पैदा करता है।

ऑनलाइन विस्फोटक बेचने वालों पर शिकंजा



नई दिल्ली। दिवाली के त्योहारी सीजन और देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए धड़ल्ले से बेचे जा रहे खतरनाक विस्फोटकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। उपभोक्ता मामले विभाग की गहन जांच के दौरान सात बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों के नाम सामने आए हैं, जो नियमों को ताक पर रखकर ऑनलाइन विस्फोटक सामग्री बेच रही थीं। सरकार की सख्ती के बाद इन कंपनियों ने अपने पोर्टल से करीब 3,940 ऐसे उत्पादों को हटा दिया है।

अनुकूल संकेतों से शेयर बाजार में चौतरफा लिवाली रही

सेंसेक्स 905 अंक उछला, निफ्टी 22900 के पार

■ मुंबई

शेयर बाजारों में पिछले कुछ दिनों में उतार-चढाव के बीच सीमित कारोबार के बाद गुरुवार को चौतरफा लिवाली का दौर चल निकला और प्रमुख सूचकांक गिरावट के दौर से उबर कर एक से सवा प्रतिशत लाभ में बंद हुए।बैंक और आईटी शेयरों को आज जोरदार समर्थन देखा गया। विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम एशिया में शांति बहाली के प्रयासों से तेल बाजार में नरमी तथा भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिविधियों में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में तेजी बने रहने की वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट से भी बाजार की धारणा मजबूत हुई है बीएसई का 30 प्रमुख शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआत में हल्की गिरावट के बाद लगातार तेजी बनाए रखते हुए बुधवार की तुलना में 905.01 अंक यानी 1.24 प्रतिशत बढ़ कर 74,151.04 पर बंद हुआ। कल बाजार 73,246.03 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स सुबह 73,268.47 खुल कर ऊपर में 74,166.16 और नीचे में 73,181.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 237.90 अंक (1.05 प्रतिशत) बढ़त के साथ 22,936.75 अंक पर बंद हुआ। सुबह 22,690.65 पर खुलने के बाद यह ऊपर में 22,961.95 और नीचे में 22,656.75 तक गया था।



घरेलू बाजार में मिल रहे तेजी के संकेत

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वेल्थ मैनेजमेंट विभाग के अनुसंधान प्रभाग के प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने बाजार की दशा और दिशा पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की संभावनाओं, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान में बढ़ोतरी के बाद घरेलू आर्थिक विकास की बेहतर होती संभावनाओं तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की रुक-रुककर हो रही खरीदारी के समर्थन से भारतीय शेयर बाजार की स्थिति में सुधार जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की नई उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है।

बीएसई बैंकेक्स 718.48 पर 712.15 अंक यानी (1.17 प्रतिशत) और बीएसई आईटी सूचकांक 38,161.84 पर 357.85 अंक यानी (0.95 प्रतिशत) लाभ में बंद हुआ।बीएसई के 20 में से 26 शेयर लाभ में रहे। गिरावट में रहे शेयरों में एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति और ट्रेंट शामिल हैं। अडानी पोर्ट का शेयर 5.17 प्रतिशत के तगड़े लाभ के साथ बंद हुआ। कोटक बैंक, पावर ग्रिड, इटरनल ,बजाज फाइनेंस, एसबीआई, हिंदुस्तान लीवर और एनटीपीसी जैसे शेयरों को भी निवेशकों का अच्छा समर्थन मिला। सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत अंक की वृद्धि को मंजूरी दी है जो पहली जुलाई से प्रभावी मानी जाएगी। इस वृद्धि से सरकार पर सालाना 10,016.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आने का अनुमान है। इससे परिवारों की खर्च योग्य आय में मामूली वृद्धि हो सकती है और उपभोग व्यय को प्रोत्साहन मिल सकता है। मंत्रिमंडल ने घरेलू कंटेनर विनिर्माण को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने और लॉजिस्टिक्स आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2039-40 तक के लिए 10,000 करोड़ रुपये की कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।

वैश्विक आर्थिक आंकड़े और भारत का मजबूत जीडीपी अनुमान

निवेशकों की नजर अमेरिका के आज जारी किये जाने वाले आर्थिक वृद्धि और श्रम बाजार से जुड़े आंकड़ों पर रहेगी। शुक्रवार को यूरोमुद्रा क्षेत्र के जीडीपीऔर बेरोजगारी संबंधी आंकड़े तथा बैंक ऑफ जापान का मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय जारी किये जाने वाले हैं।इधर, घरेलू मोर्चे पर वित्त मंत्रालय ने 2026-27 की दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.35 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले के 7.3 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा अधिक है। इस वृद्धि को औद्योगिक उत्पादन, ऊर्जा खपत, बंदरगाहों पर माल ढुलाई गतिविधियों, जीएसटी संग्रह और ऑटोमोबाइल बिक्री से समर्थन मिला है।

दिसंबर से क्रेडिट कार्डधारकों को ईंधन और यात्रा भुगतान पर देना होगा अतिरिक्त शुल्क

■ नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक कार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए 1 दिसंबर 2026 से नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। बैंक ने क्रेडिट कार्ड के जरिए ईंधन खरीदने और परिवहन सेवाओं का भुगतान करने पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा। इस नए नियम के लागू होने से उन ग्राहकों की जेब पर बोझ बढ़ेगा जो अपने क्रेडिट कार्ड से भारी-भरकम खरीदारी या यात्रा भुगतान करते हैं। नए नियमों के मुताबिक यदि कोई कार्डधारक एक बिलिंग चक्र के दौरान पेट्रोल या डीजल पर कुल 50,000 रुपए से ज्यादा खर्च करता है, तो उनसे कुल खर्च की गई राशि पर 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा। खास बात यह है कि यह शुल्क केवल 50,000 रुपए से ऊपर की



राशि पर नहीं, बल्कि पूरी खर्च की गई रकम पर लागू होगा जैसे यदि महीने भर में 60,000 रुपए का ईंधन खरीदा गया है, तो ग्राहक को पूरी राशि पर 1 फीसदी यानी 600 रुपए शुल्क के रूप में देने होंगे। हालांकि, यदि कुल खर्च 50,000 रुपए या उससे कम रहता है, तो कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। इसके अलावा, परिवहन सेवाओं जैसे मेट्रो, लोकल ट्रेन, बस सेवाओं और फास्टैग रिचार्ज आदि के लिए किए गए किसी एक भुगतान की राशि 30,000 रुपए से ज्यादा होने पर भी 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह सीमा प्रति लेनदेन के आधार पर तय की गई है।

एसबीआई ने इस वर्गीकरण को मर्चेंट कैटेगरी कोड के जरिए स्पष्ट किया है। जानकारों के मुताबिक इस नए नियम का सबसे ज्यादा असर उन व्यापारियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों पर पड़ेगा जो अपने वाहनों के लिए बड़ी मात्रा में क्रेडिट कार्ड से ईंधन डलवाते हैं या फास्टैग रिचार्ज करते हैं। आम व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं पर, जिनका मासिक खर्च निर्धारित सीमाओं से कम है, इस बदलाव का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपने मासिक खर्च और बिलिंग चक्र की तारीखों पर ध्यान देकर क्रेडिट कार्ड का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें।

रिन्यूएबल एनर्जी : अगले 4 साल में 18 लाख करोड़ का होगा निवेश

■ नई दिल्ली

भारत तेजी से हरित ऊर्जा की ओर कदम बढ़ा रहा है। देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में अगले चार साल के दौरान करीब 18 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावना जताई गई है। वर्ष 2027 से 2030 के बीच होने वाले इस संभावित निवेश को ध्यान में रखते हुए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय एक ठोस रोडमैप तैयार कर रहा है।

इस बात की जानकारी नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी ने आगामी 2 से 5 नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में



आयोजित होने वाले 'भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट' के संबंध में चर्चा के दौरान दी। इस निवेश के दायरे में सोलर, विंड एनर्जी, बैटरी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन और बिजली ट्रांसमिशन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे। इस व्यापक निवेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ-साथ घरेलू निजी और सरकारी क्षेत्र का संयुक्त योगदान शामिल होगा।

बीते दो साल में आया 63.7 अरब डॉलर का निवेश

भविष्य की बड़ी योजनाओं से पहले, देश ने हालिया वर्षों में भी इस सेक्टर में मजबूत रफ्तार पकड़ी है। वर्ष 2024 से 2026 के दौरान देश के रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में कुल 63.7 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया था, जिसमें निजी-सरकारी दोनों क्षेत्रों ने मिलकर अहम भूमिका निभाई थी। आगामी 4 वर्षों के लिए प्रस्तावित 220 अरब डॉलर का आंकड़ा इस क्षेत्र की असीम संभावनाओं को दर्शाता है।

नैफेड उपलब्ध कराएगा शुद्ध दाल और आटा, दिल्ली-राजस्थान में लगेंगे तीन प्लांट

■ नई दिल्ली

देश के किसानों की संस्था और सहकारी संगठन नैफेड अपने राजस्व को बढ़ाने और उपभोक्ताओं को शुद्ध गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए लगातार नए क्षेत्रों में कदम रख रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में नए प्लांट लगाने की बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। नैफेड की बोर्ड बैठक में इन सभी परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और दिल्ली में लगने वाले दाल प्लांट के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के नजफगढ़ के उजवा क्षेत्र में 14 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक दाल प्लांट लगाया जा रहा है। इसके निर्माण और प्लांट लगाने की प्रक्रिया में लगभग एक साल का समय लगने की उम्मीद है, जिसके चलते यह अगले साल अक्तूबर तक पूरी तरह चालू हो जाएगा। इस प्लांट के शुरू होने से नैफेड का बाहरी खर्च और लागत बचेगी, साथ ही बाजार की मांग के अनुसार दालों की गुणवत्ता और आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

करवाचौथ के दिन सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

■ नई दिल्ली

दिल्ली में गुरुवार को सोने का भाव 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। ऊंची दरों के कारण आभूषण विक्रेता और खुदरा विक्रेता नई खरीद को लेकर सतर्क रहे। हालांकि, चांदी की कीमतों में 500 रुपये की वृद्धि दर्ज की गई।

चांदी अब 1,98,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जिसमें सभी कर शामिल हैं। बुधवार को सफेद धातु 1.98 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू सोने के भाव स्थिर रहे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख ने अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से मिले समर्थन को कम कर दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 49.38 डॉलर या 1.21 फीसदी गिरकर 4,018.08 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, चांदी भी



3 फीसदी गिरकर 52.41 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड की कमोडिटीज और करेंसी की शोध विश्लेषक वेदिका नार्वेकर ने बताया कि फेडरल रिजर्व के सख्त दृष्टिकोण से सोने पर दबाव बना रहा। गुरुवार को सोना लगभग 4,024 डॉलर प्रति औंस के आसपास रहा। लगातार ऊर्जा-संचालित महंगाई भी एक प्रमुख कारण है। इससे आगे मौद्रिक नीति में सख्ती की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। नार्वेकर ने कहा कि कच्चे तेल की मजबूत कीमतें बाजार में अस्थिरता बढ़ा रही हैं। फेड की नीतिगत राह को लेकर अनिश्चितता भी एक कारण है। इक्विटी बाजार में बिकवाली भी अस्थिरता में योगदान दे रही है।

5 नई डीजल एसयूवी लाएगी महिंद्रा!

■ नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा आने वाले समय में 5 नई डीजल एसयूवी लाने की तैयारी कर रही है। इन एसयूवी में नई विजन एस, थार रॉक्स फेसलिफ्ट, स्कॉर्पियो-एन फेसलिफ्ट, स्कॉर्पियो क्लासिक फेसलिफ्ट और स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर पिकअप शामिल हैं। कुछ मॉडल इस साल के आखिर तक आ सकते हैं, जबकि स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर को अप्रैल 2027 में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इन गाड़ियों में नए डिजाइन से



लेकर बेहतर फीचर्स तक देखने को मिल सकते हैं। महिंद्रा विजन एस कंपनी की नई छोटी एसयूवी होगी, जिसे 2026 के आखिर तक लॉन्च किया जा सकता है। इसका डिजाइन बॉक्सी होगा और इसमें चौकोर एलईडी हेडलैंप, नई ग्रिल और बड़े व्हील आर्च मिल सकते हैं। इसमें थार और थार रॉक्स वाला 1.5-लीटर डीजल इंजन मिल सकता है। महिंद्रा भार रॉक्स का अपडेटेड मॉडल भी तैयार कर रही है, जिसमें नए अलॉय व्हील और सस्पेंशन में बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिससे खराब सड़कों पर सफर पहले से आरामदायक हो सकता है। इसमें 2.2-लीटर टर्बो डीजल इंजन जारी रखने की उम्मीद है। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन के अपडेटेड मॉडल की टेस्टिंग भी चल रही है, जिसमें आगे की तरफ बड़ी ग्रिल, बदला हुआ बंपर और नए एलईडी लैंप मिल सकते हैं।

केटीएम की पॉपुलर बाइक 200 ड्यूक फिर हुई अपडेट

■ नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी पॉपुलर बाइक 200 ड्यूक को एक बार फिर अपडेट कर दिया है। इस बार बाइक में बाइडायरेक्शनल क्विकशिफ्टर, ट्रैक्शन कंट्रोल और राइड-बाय-वायर जैसी टेक्नोलॉजी मिलने की बात सामने आई है। इसके साथ ही बाइक में राइड मोड्स भी दिए गए हैं। कंपनी ने फरवरी 2026 में इस बाइक को अपडेट किया था, और अब अक्टूबर में इसमें कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं। डीलर्स के अनुसार, अपडेटेड मॉडल डीलरशिप पर पहुंचना शुरू हो गया है और इसकी एक्स-शोरूम कीमत करीब 2.09 लाख रुपये हो सकती है। हालांकि, कंपनी की तरफ से इसकी लॉन्चिंग और कीमत के ऑफिशियल कंफर्मेशन का इंतजार है।

2026 केटीएम 200 ड्यूक के नए अपडेट में सबसे खास बाइडायरेक्शनल क्विकशिफ्टर है, जिसकी मदद से राइडर क्लच का इस्तेमाल किए बिना गियर ऊपर और नीचे कर सकता है। इससे



गियर बदलना आसान होता है और स्पोर्टी राइडिंग के दौरान भी मदद मिलती है। बाइक में अब ट्रैक्शन कंट्रोल भी दिया गया है, जो फिसलन वाली सड़क पर टायर की पकड़ बनाए रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, कंपनी ने इसमें राइड-बाय-वायर टेक्नोलॉजी भी जोड़ी है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए इंजन तक एक्सीलरेटर के इनपुट को कंट्रोल किया जाता है।

नई केटीएम 200 ड्यूक में राइड-बाय-वायर के साथ दो राइड मोड्स भी दिए गए हैं, जिनमें रेन और स्ट्रीट मोड शामिल हैं। रेन मोड गीली या फिसलन वाली सड़क पर बाइक चलाते समय काम आ सकता है, जबकि स्ट्रीट मोड सामान्य सड़कों पर इस्तेमाल के लिए है।

हुंडई की नई जेनरेशन क्रेटा की टेस्टिंग शुरू

■ नई दिल्ली

अपनी नई जेनरेशन क्रेटा की हुंडई कंपनी ने टेस्टिंग शुरु कर दी है। कई बड़े बदलाव के साथ हुंडई बाजार में लाने की तैयारी में है। जानकारों के अनुसार, नई जेनरेशन क्रेटा में पांच ऐसे नए फीचर्स मिल सकते हैं जो इसे और भी आकर्षक बनाएंगे। इनमें सबसे बड़ा बदलाव बड़ी इन्फोटेनमेंट टचस्क्रीन के तौर पर देखने को



मिल सकता है। इसमें हुंडई का नया पीएलईओएस इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है, जिसकी स्क्रीन 15 इंच से भी बड़ी हो सकती है। इस सिस्टम में ओवर-द-एयर अपडेट भी मिलेगा, जिससे गाड़ी के सॉफ्टवेयर को बिना सर्विस सेंटर विजिट किए अपडेट किया जा सकेगा। दूसरा प्रमुख फीचर उन्नत अडास (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) होगा। मौजूदा क्रेटा में 20 फीचर्स के साथ लेवल-2 अडास मिलता है, लेकिन नई जेनरेशन में इसे और बेहतर बनाया जा सकता है।

मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था : वित्त मंत्रालय ने दी सतर्क रहने की सलाह

चालू वित्त वर्ष में 7.3 प्रतिशत रह सकती है आर्थिक वृद्धि

■ नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी अक्टूबर, 2026 की 'मासिक आर्थिक समीक्षा' रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष के पहली तिमाही (अप्रैल-जून,2026) में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की अनुमान से अधिक मजबूत वृद्धि के बाद दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में विस्तार जारी रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में परिस्थितियों की अस्थिरता को देखते हुए नीति नियामकों को घरेलू स्तर पर व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आगे सतर्कता बनाए रखनी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में पहली तिमाही की



पूर्वानुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि के बाद, दूसरी तिमाही में भी आर्थिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। इसे देखते हुए कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने 2026-27 के लिए अपने विकास अनुमानों में वृद्धि की है। अब ये अनुमान मोटे तौर पर सात प्रतिशत के आसपास हैं। वित्त मंत्रालय के वास्तविक समय के अनुमानों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'घरेलू मांग, निवेश गतिविधियों और संरचनात्मक सुधारों से वर्ष के शेष भाग में आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हाल ही में किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संबंधी प्रक्रियागत सुधारों से व्यवसायों के लिए अनुपालन संबंधी बोझ और कार्यशील पूंजी की बाधाएं और कम होंगी। ऋण में स्वस्थ वृद्धि तथा हाल के व्यापार समझौतों से उपभोग, निवेश और निर्यात को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में औद्योगिक क्षेत्र की संभावनाएं मजबूत उत्पादन, बढ़ते ऑर्डर प्रवाह, विनिर्माण क्षेत्र में बेहतर होते कारोबारी विश्वास और औद्योगिक ऋण में मजबूत वृद्धि से समर्थित बनी हुई हैं। साथ में यह भी कहा गया है कि ईंधन की कीमतों को लेकर अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बना हुआ है।

खाद्य महंगाई से राहत की उम्मीद और जोखिमों की चुनौती

रिपोर्ट के अनुसार खाद्य पदार्थों के संदर्भ में, आपूर्ति-पक्ष के हस्तक्षेपों से रसोई में उपयोग होने वाली प्रमुख खाद्य वस्तुओं की कीमतों का दबाव कम होने की उम्मीद है। यह भी कहा गया है कि खाद्य महंगाई दर के मार्च पर जोखिम बने हुए हैं। अल नीनो की तीव्र होती घटना शामिल है, जिससे आगामी रबी बुवाई के मौसम में मिट्टी की नमी प्रभावित होने का खतरा है। इसके अतिरिक्त, त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से भी कीमतों पर दबाव पड़ सकता है। बाहरी मोर्चे पर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और पश्चिम एशिया के समुद्री पारगमन मार्गों में माल ढुलाई संबंधी व्यवधान उत्पादन लागत में वृद्धि का जोखिम पैदा कर रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को हालांकि सीधे डॉलर की तरलता उपलब्ध कराने तथा मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में किए गए उपाय विनिमय दर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने और आयातित मुद्रास्फीति के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

स्विगी अपने 25 लाख डिलीवरी पार्टनर्स को देगी 10 लाख का बीमा कवर

■ इस योजना का उद्देश्य डिलीवरी कार्य में लगे कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा देना है

■ नई दिल्ली

फूड डिलीवरी और त्वरित वाणिज्य सेवा प्रदान करने वाली कंपनी स्विगी ने दीपावली पर अपने साथ जुड़े लाखों डिलीवरी पार्टनर्स के लिए कल्याणकारी कदम उठाया है। कंपनी ने ऐलान किया है कि वह अपने करीब 25 लाख डिलीवरी कर्मचारियों के बीमा कार्यक्रम को नवीनीकृत करने जा रही है, जिसके तहत उन्हें 10 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। कंपनी इस व्यापक बीमा



कार्यक्रम को इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस के सहयोग से लागू कर रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य डिलीवरी कार्य में कर्मचारियों को वित्तीय और स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा प्रदान करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके तहत प्रत्येक डिलीवरी पार्टनर को किसी अप्रिय दुर्घटना या विकलांगता की स्थिति में 10 लाख रुपए का दुर्घटना मृत्यु कवर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना के दौरान अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में 2 लाख रुपए का इन-पेशेंट हॉस्पिटलाइजेशन कवर और उनके परिवारों के लिए 1 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवरेज भी शामिल है। यह बीमा पॉलिसी अस्पताल में भर्ती होने, डे-केयर प्रक्रियाओं और मातृत्व लाभों के लिए कैशलेस और पुनर्भुगतान दोनों तरह की सुविधाएं प्रदान करेगी। स्विगी का यह डिलीवरी पार्टनर बीमा कार्यक्रम भारत की गिग अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सबसे बड़े सुरक्षा ढांचों में से एक है, जिससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले लाखों कर्मचारियों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिलती है।